सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 291 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 04 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भिलाई-3 में ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की दर्दनाक मौत

भिलाई । भिलाई-3 स्थित रेलवे के ओएचई कार्यालय के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। सुबह लगभग 8:50 बजे पटरियों पर पानी की खाली बोतलें और प्लास्टिक बीन रहे एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से टकराने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब भिलाई-3 स्टेशन के पहले बीच वाली पटरी से तेज रफ्तार जसीडीह - वास्को डी गामा एक्सप्रेस गुजर रही थी। मृतक पटरियों के बीच कचरा एकत्र करने में व्यस्त था, जिस वजह से वह अचानक आती हुई तेज रफ्तार ट्रेन को नहीं देख सका और उसकी चपेट में आ गया। घटना की सूचना तुरंत जीआरपी और आरपीएफ को दी गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिना चेतावनी बंद हुए कई वाट्सएप अकाउंट

नईदिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले मोबाइल मैसेजिंग एप- व्हाट्सएप के कई यूजर्स के खाते बंद किए जाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को बिना किसी चेतावनी के भारत सहित कई देशों के यूजर के अकाउंट अचानक बंद कर दिए। कंपनी ने इन सभी अकाउंट को 24 घंटे के लिए समीक्षा के तहत डाल दिए। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने कहा कि हम हमेशा अपनी सेवा का दुरुपयोग करने वालों से आगे रहने और अन्य यूजर को सुरक्षित रखने के लिए अकाउंट को बैन करने की दिशा में काम करते हैं। कभी-कभी हमसे गलती हो जाती है, और यदि ऐसा होता है, तो हम लोगों को वापस चैट करने में सक्षम बनाने के लिए इसे जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास करते हैं।

रायगढ़ में नक्शा बटांकन काम में लापरवाही, 10 तहसीलदारों को शो-कॉज

रायगढ़। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने समय-सीमा की बैठक में राज्य शासन के प्राथमिकता वाले कार्यों, विभागीय पत्रों और लंबित मामलों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में नक्शा बंटांकन कार्य की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई और जिले के सभी 10 तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि अगले एक सप्ताह के भीतर हर तहसील में नक्शा बंटांकन कार्य में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी समय-सीमा की बैठक में फिर से समीक्षा की जाएगी। यदि प्रगति संतोषजनक नहीं मिली तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा में बताया गया कि जिले में 18 नवंबर 2025 तक नक्शा बंटांकन की प्रगति 73.64 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 78.66 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान कुल 5.02 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है।

देश की शान बनी छत्तीसगढ़ की कला, राष्ट्रपति भवन के 'एट होम' निमंत्रण में मिली खास जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाले राष्ट्रपति भवन के 'एट होम' समारोह के निमंत्रण पत्र में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विशेष स्थान दिया गया है। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक ढोकरा और पिटवा कला के साथ गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की प्रसिद्ध लोक कलाओं को शामिल कर देश की विविध सांस्कृतिक पहचान को उकेरा गया है।

राष्ट्रपति भवन ने बताया है कि स्वतंत्रता दिवस 2026 के 'एट होम' समारोह के लिए तैयार किए गए निमंत्रण पत्र की थीम भारत की पारंपरिक लोक कलाओं पर आधारित है। इस बार निमंत्रण में छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की प्रसिद्ध कला शैलियों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया गया कि इस वर्ष का निमंत्रण समुदाय, रचनात्मकता और सांस्कृतिक संरक्षण की भावना को दर्शाता है।

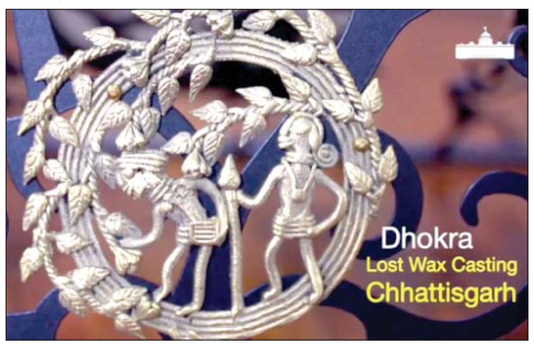

विविध कलात्मक परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

इसका उद्देश्य भारत की विविध कलात्मक परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना है। निमंत्रण के लिए तैयार किए गए विशेष कपड़े के लिफाफे में मध्य प्रदेश के धार जिले की बाघ वस्त्र कला का उपयोग किया गया है। वहीं कार्ड पर छत्तीसगढ़ की ढोकरा (लॉस्ट वैक्स कास्टिंग) और पिटवा कला, मध्य प्रदेश की भील पेंटिंग, गोवा की अजुलेजो टाइल पेंटिंग तथा महाराष्ट्र की वारली पेंटिंग को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, यह पहल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने और पारंपरिक लोक कलाओं को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की ढोकरा और पिटवा कला को राष्ट्रीय मंच पर स्थान मिलने से प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई प्रतिष्ठा मिली है।

छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई : हाथी के जबड़ों के साथ अंतरराज्यीय गिरोह के तीन गिरफ्तार

बलरामपुर जिले के एक धर्मशाला में छिपकर बैठे थे तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले में वन विभाग ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय हाथी दांत तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। विभाग की संयुक्त टीम ने रामानुजगंज के एक धर्मशाला में दबिश देकर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से हाथी का तीन नग जबड़ा बरामद किया है। आरोपितों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वन विभाग वन्यजीव अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को बलरामपुर वन विभाग की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि रामानुजगंज नगर स्थित निजी धर्मशाला के कमरा नंबर 205 में हाथी दांत की अवैध

खरीद-फरोख्त के उद्देश्य से कुछ लोग ठहरे हुए हैं। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर छापेमारी की।

तलाशी के दौरान कमरे से हाथी का तीन जबड़ा बरामद किया गया। मौके पर मौजूद तीनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में संतोष कुमार विश्वकर्मा (34 वर्ष) निवासी तुकबेरा, पोस्ट कंडा, थाना नवाबाजार, जिला पलामू (झारखंड), अजय कुमार गुप्ता (49 वर्ष) तथा संतोष कुमार रजक (50 वर्ष), निवासी रामानुजगंज शामिल हैं।

तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी

आरोपितों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई की गई है तीनों आरोपितों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रामानुजगंज के न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वन विभाग ने बताया कि मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

वन विभाग ने कुछ दिन पहले सूरजपुर जिले के भैयाथान क्षेत्र में तस्करों से बाघ की खाल सहित पैंगोलिन का शल्क जब्त किया था। इस बात का अंदेशा जताया जा रहा है कि सूरजपुर और बलरामपुर जिले में अंतरराज्यीय वन्य जीव तस्कर सक्रिय हैं। विभाग गिरफ्तार किए गए लोगों की सूचना पर जांच में जुटी है।

कांकेर में जुआ खेलते डिप्टी रेंजर गिरफ्तार, चार साथी भी पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रानीडोंगरी में पुलिस ने बीती रात जुआ खेल रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक डिप्टी रेंजर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, जिले में अवैध जुआ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह बड़ी कार्रवाई की गई। इससे पहले पुलिस ने एक स्वास्थ्यकर्मी को जुआ खेलते हुए पकड़ा था, जबकि अब वन विभाग के एक डिप्टी रेंजर को जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया है।

मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने रानीडोंगरी के जंगल में खेत के पास बनी एक झोपड़ी पर दबिश दी। पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर अचानक छापा मारा, जिससे जुआरियों को भागने का मौका नहीं मिला। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई। पुलिस ने मौके से 1.25 लाख रुपये नकद, दो मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री जब्त की है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी एक स्वास्थ्यकर्मी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के पीछे स्थित एक कमरे में जुआ खेलते हुए पकड़ा गया था। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभागीय जांच कर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी।

जनगणना 2027: 17 अगस्त से दूसरा चरण, जाति व माता-पिता के जन्म की भी देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली। साल 2027 की जनगणना का दूसरा चरण 17 अगस्त से शुरू होगा। इस जनगणना में 1931 के बाद पहली बार लोगों की जाति भी दर्ज की जाएगी। इसके अलावा, इसकी भी संभावना है कि लोगों के माता-पिता की जन्म तिथि और जन्म स्थान की जानकारी भी दर्ज की जाए। जनगणना के दौरान जिन लोगों के पास पासपोर्ट होगा, उनका पासपोर्ट नंबर भी लिया जा सकता है। आधार नंबर केवल स्वेच्छा से दिया जा जा सकेगा।

गृह मंत्रालय ने सोमवार को एक अधिसूचना जारी की। इसमें मंत्रालय ने बताया कि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले इलाके में जनगणना का दूसरा चरण 1 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा। इससे पहले 17 अगस्त से 30 अगस्त तक लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकेंगे। इसका मतलब है कि जनगणना के दूसरे चरण की प्रश्नावली भी जल्द जारी की जाएगी।

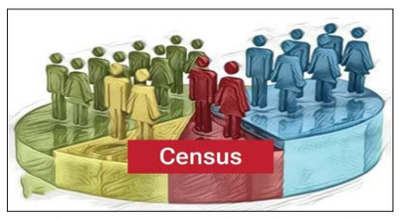

नहीं दिखाना होगा जाति प्रमाण पत्र

ड्रॉप-डाउन मेन्यू में केवल उसी राज्य की एससी और एसटी की सूची दिखाई जाएगी, जहां व्यक्ति को जनगणना हो रही होगी। व्यक्ति अपनी जाति का जो नाम बताएगा, उसे उसी तरह लिखा जाएगा। अपनी एससी, एसटी या अन्य जाति साबित करने के लिए किसी भी तरह का दस्तावेज या जाति प्रमाण पत्र दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

लेंगे माता-पिता के जन्म की जानकारी

दूसरे चरण में पहली बार लोगों के माता-पिता की जन्म तिथि और जन्म स्थान की जानकारी भी ली जाएगी। लोगों से उनके माता-पिता की जन्म तिथि या जन्म स्थान का कोई प्रमाण नहीं मांगा जाएगा। जो जानकारी व्यक्ति को जितनी सही पता होगी, उसी के आधार पर दर्ज की जाएगी। अगर किसी को अपने माता-पिता की पूरी जन्म तिथि नहीं पता है और केवल जन्म का साल पता है, तो उस साल की 1 जनवरी को जन्म तिथि मानकर दर्ज किया जाएगा।

तृषा पर टिप्पणी : उदयनिधि स्टालिन को पुलिस ने लिया हिरासत में

कावेरी जल विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक रैली के दौरान की थी टिप्पणी

चेन्नई ए। द्रमुक नेता और तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा कृष्णन पर की गई कथित टिप्पणी के मामले में हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके द्वारा पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराने के बाद की गई।

टीवीके की तंजावुर केंद्रीय जिला महिला विंग की संयोजक एस. बैरवी ने तंजावुर पूर्व पुलिस थाने में उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके साथ ही टीवीके ने इस मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग में भी शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिरासत में लिए जाने की आलोचना करते हुए डीएमके के राज्यसभा सांसद पी विल्सन ने आरोप लगाया कि इस विवाद का इस्तेमाल कावेरी जल विवाद और कर्नाटक द्वारा कथित तौर पर पानी छोड़ने में विफल रहने को लेकर राज्य की चिंताओं से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एक्शन

डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने कावेरी जल विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक रैली के दौरान अभिनेत्री तृषा से जुड़ी एक टिप्पणी की। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनकी टिप्पणी को लेकर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई। वायरल वीडियो के अनुसार, उदयनिधि ने कहा, कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिला। लेकिन क्या मुख्यमंत्री ने इस पर मुंह खोला? नहीं। उन्हें केवल द्रमुक के खिलाफ 'झूठे मामले' दर्ज कराने की चिंता है। इसी दौरान नारेबाजी जारी रहने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए।' बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था।

सीआरपीएफ कैंप में अफसर ने दो साथियों को मारी गोली, फिर खुद की ले ली जान

गुवाहाटी। असम के नगांव में सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने खुदकुशी करने से पहले अपने दो साथियों की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, एक गंभीर रूप से घायल है। यह जानकारी पुलिस ने दी है। नागांव की पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) परमिता सरकार ने पीटीआई को बताया कि यह घटना कटिमारी स्थित 34 बटालियन शिविर में मंगलवार सुबह करीब 7 बजे घटी, जब मुख्य द्वार पर ड्यूटी पर तैनात एएसआई/जीडी बलानी प्रेमबारम ने अपने सहयोगियों पर गोली चलाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जवानों के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद यह हादसा हुआ। डीएसपी ने बताया कि एएसआई ने बाद में खुद को गोली मार ली और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके साथ ही दो जवान, एचवी/जीडी विष्णु प्रसाद बघेल और एसआई/जीडी रामनवाल सिंह यादव की मौके पर ही मौत हो गई। सरकार ने बताया कि इस घटना में सीआरपीएफ का एक अन्य जवान एएसआई/माने गोविंद श्रीपुल घायल हो गया और उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर में पहुंचे और घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

संपादकीय

कुलगाम आतंकी हमला सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए लक्षित आतंकी हमले में दो प्रवासी मजदूरों की मौत ने एक बार फिर यही सवाल उठाया है कि आतंकवाद पर काबू पाने के लिए की जा रही तमाम कवायदों का क्या हासिल है और आज भी अक्सर यह बेलगाम क्यों दिखता है। गौरतलब है कि कुलगाम में आतंकियों ने शुक्रवार शाम दो प्रवासी मजदूरों की गोली मार कर हत्या कर दी। दोनों मजदूर छत्तीसगढ़ से दक्षिण कश्मीर के केल्लम इलाके में ईंट-भट्ठे पर काम करके किसी तरह अपना और अपने परिवार का जीवन चला रहे थे। खबरों के मुताबिक, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के ही एक छाया संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। जाहिर है, इस घटना के बाद फिर से सरकार सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाने की ओर नए कदम उठाने की बात करेगी और लोगों को यह भरोसा दिया जाएगा कि भविष्य में आतंकियों की हमला करने की हिम्मत नहीं होगी। मगर अफ्सोस की बात यह है कि घाटी में सिर्फ दस दिनों के भीतर लक्षित आतंकी हमले की यह दूसरी घटना है। हाल ही में अनंतनाग में आतंकवादियों ने एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी थी। इसमें कोई दोराय नहीं कि सीमा पार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ मोर्चा लेने के क्रम में सुरक्षा बलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है और हर कुछ समय बाद रणनीति में भी बदलाव किया जाता रहता है। इसी वजह से आतंकी हमलों को पूरी तरह रोक पाने में फिलहाल भले ही कामयाबी न मिली हो, लेकिन ऐसी घटनाओं में थोड़ी कमी जरूर आई है।

> “ गौरतलब है कि कुलगाम में आतंकियों ने शुक्रवार शाम दो प्रवासी मजदूरों की गोली मार कर हत्या कर दी। दोनों मजदूर छत्तीसगढ़ से दक्षिण कश्मीर के केल्लम इलाके में ईंट-भट्ठे पर काम करके किसी तरह अपना और अपने परिवार का जीवन चला रहे थे। खबरों के मुताबिक, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के ही एक छाया संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। जाहिर है, इस घटना के बाद फिर से सरकार सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाने की ओर नए कदम उठाने की बात करेगी और लोगों को यह भरोसा दिया जाएगा कि भविष्य में आतंकियों की हमला करने की हिम्मत नहीं होगी। मगर अफ्सोस की बात यह है कि घाटी में सिर्फ दस दिनों के भीतर लक्षित आतंकी हमले की यह दूसरी घटना है। हाल ही में अनंतनाग में आतंकवादियों ने एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी थी। इसमें कोई दोराय नहीं कि सीमा पार स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ मोर्चा लेने के क्रम में सुरक्षा बलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी है और हर कुछ समय बाद रणनीति में भी बदलाव किया जाता रहता है।

इसके बावजूद यह सच है कि अक्सर आतंकी संगठनों की ओर से कुछ लोगों को चुन कर निशाना बनाया जाता है और इस तरह अपनी मौजूदगी का संकेत देने की कोशिश होती है। यह साफ है कि आज भी जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील इलाकों में आतंकी संगठनों के पांव जमे हुए हैं और वे कई बार सिर्फ इसलिए किसी निर्दोष व्यक्ति की हत्या कर देते हैं, ताकि उनका खौफ बना रहे। इसके समांतर यह भी गौर करने वाली बात है कि सुरक्षा बलों से लेकर पुलिस महकमे के व्यापक तंत्र की मौजूदगी के बावजूद आम लोगों के भीतर हर वक्त एक परोक्ष असुरक्षाबोध काम करता रहता है।

सवाल है कि आखिर ऐसा क्यों होता है कि कुछ समय के अंतराल पर आतंकवादी बिना किसी रोकटोक के आबादी के बीच घुसपैठ करते हैं और कभी अराजक तरीके से, तो कभी पहलगाम जैसे हमले को अंजाम देकर आसानी से भाग जाते हैं। त्रासद नतीजों का दंश आम लोगों को झेलना पड़ता है। यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान खुफिया विभाग, स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों के बीच तालमेल की वजह से आतंकियों के खिलाफ एक ठोस मोर्चा कायम किया गया है और आतंकवादियों के प्रत्यक्ष हमलों पर अंकुश लगा है।

कई बार स्थानीय आबादी के बीच से भी पुलिस को सहयोग मिल जाता है। इसके बावजूद यह तथ्य है कि घाटी आतंकी हमलों से सुरक्षित नहीं है। सुरक्षा बलों की सख्ती की वजह से अब आतंकवादी संगठनों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है और अब उन्होंने लक्षित हमलों को अपना मुख्य जरिया बनाया है। जाहिर है, सरकार और सुरक्षा बलों को अब इसी मुताबिक आतंकियों से निपटने के लिए नई रणनीति के साथ मोर्चा लेने की जरूरत है।

गहन अंतरिक्ष में विचरता धरती का अनोखा सैलानी

मुकुल व्यास

वॉयेजर की डिस्क पर 50 से अधिक भाषाओं में अभिवादन के अलावा धरती की आवाजें रिकॉर्ड की गई हैं। डिस्क पर रिकॉर्ड की गई भाषाओं में हिंदी सहित प्रमुख भारतीय भाषाएं शामिल हैं। केसरबाई केरकर द्वारा गाई गई एक प्रसिद्ध शास्त्रीय ठुमरी, 'जात कहां हो', को भी डिस्क में शामिल किया गया है।

नासा के वॉयेजर 1 यान का गहन अंतरिक्ष में लंबा सफर आज भी जारी है और वह जल्द ही एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाला है। छोटी कार के आकार का यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी का पहला ऐसा यान है, जो अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष (दो तारों के बीच का अंतरिक्ष) में पहुंचने में कामयाब हुआ है। लगभग 50 सालों से यह यान पृथ्वी से 61,100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दूर जा रहा है। हैरानी की बात है कि इतने वर्षों तक यात्रा करने के बाद भी यह अभी तक पृथ्वी से 1 प्रकाश दिवस (लाइट डे) की दूरी तक नहीं पहुंच पाया है। अब नासा के वैज्ञानिकों ने उस सटीक समय का पता लगा लिया है, जब ऐसा होगा और हम उससे बस कुछ ही महीने दूर हैं। यह यान 18 नवंबर, 2026 को दोपहर 3:46 बजे अपने गृह ग्रह से 25.9 अरब किलोमीटर की दूरी पर पहुंच जाएगा।

प्रकाश दिवस दरअसल उस दूरी को कहते हैं, जिसे प्रकाश एक दिन में तय करता है। अंतरिक्ष में दूरियां बताने के लिए वैज्ञानिक प्रकाश दिवस के अलावा प्रकाश वर्ष का भी बार-बार उल्लेख करते हैं। प्रकाश वर्ष दरअसल दूरी की एक इकाई है, जो यह मापती है कि प्रकाश की किरण एक वर्ष में अंतरिक्ष में कितनी दूरी तय करती है। एक प्रकाश वर्ष लगभग 9.46 ट्रिलियन किलोमीटर के बराबर होता है। अंतरिक्ष के वैक्यूम में प्रकाश लगभग 299,792 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से चलता है। चूंकि प्रकाश को अंतरिक्ष में यात्रा करने में समय लगता है, इसलिए दूर स्थित किसी वस्तु को देखने का अर्थ है कि आप उसे वैसा देख रहे हैं, जैसा वह अतीत में दिखता था। उदाहरण के लिए, हमारा निकटतम तारा प्रॉक्सिमा सेंटौरी 4.2 प्रकाश वर्ष दूर है, इसलिए उसके प्रकाश को हमारी आंखों तक पहुंचने में 4.2 वर्ष लगते हैं।

वॉयेजर 1 को एक प्रकाश दिवस की दूरी तक पहुंचने में 49 साल से ज्यादा का समय लगेगा। वॉयेजर 1 और उसका जुड़वां यान वॉयेजर 2 ऐसे अंतरिक्ष यान हैं, जो हेलियोस्फीयर (सूरज से निकलने वाले कणों और चुंबकीय क्षेत्रों का सुरक्षा कवच) के बाहर काम कर रहे हैं। वॉयेजर 1 का असली मिशन बृहस्पति और शनि के पास से गुजरना था। ये लक्ष्य उसने क्रमशः 1979 और 1980 में पूरे कर लिए। इसके बाद वह गहन अंतरिक्ष में आगे बढ़ता ही गया।

इस सफर के दौरान वॉयेजर 1 और 2 ने बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून के पास से गुजरते हुए तस्वीरें भेजी हैं। दोनों यानों ने चारों विशाल ग्रहों का अध्ययन किया। उन्होंने बृहस्पति के चंद्रमा आयो पर पृथ्वी से परे पहले सक्रिय ज्वालामुखियों की खोज की। दोनों यानों ने मिलकर 22 नए चंद्रमाओं की खोज की। इनमें बृहस्पति के 3, शनि के 3, यूरेनस के 10 और नेपच्यून के 6 चंद्रमा शामिल हैं। दोनों ने बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर सतह के नीचे तरल महासागर के पहले संकेतों का पता लगाया। उन्होंने बृहस्पति, यूरेनस और नेपच्यून की जटिल वलय प्रणालियों (रिंग सिस्टम) की तस्वीरें भी लीं।

वॉयेजर 1 ने 25 अगस्त, 2012 को अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष में प्रवेश किया, जिसके बाद वॉयेजर 2 ने 5 नवंबर, 2018 को अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष में प्रवेश किया। दोनों यान सबसे दूर स्थित मानव-निर्मित वस्तुएं हैं, जो दशकों पुरानी तकनीक के माध्यम से संचार करती हैं।

वॉयेजर मिशन के इतना आगे बढ़ने के बावजूद प्लूटोनियम से चलने वाले इस अंतरिक्ष यान की ऊर्जा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। इसे थोड़े और समय तक चालू रखने के लिए नासा पिछले एक साल से इसके उपकरणों को एक-एक करके बंद कर रहा है। अब उसके पास सिर्फ दो उपकरण बचे हैं। ये हैं मैग्नेटोमीटर और प्लाज्मा वेव सबसिस्टम, जो अभी भी तारों के बीच के अंतरिक्ष की हल्की विद्युत-चुंबकीय धड़कन को रिकॉर्ड कर रहे हैं। नासा का अनुमान है कि यह अंतरिक्ष यान 2030 के दशक की शुरुआत तक पृथ्वी के साथ संपर्क बनाए रखेगा। उम्मीद है कि तब तक इसकी पावर सप्लाई किसी भी चीज को चलाने के लिए जरूरी स्तर से नीचे नहीं जाएगी।

लेकिन बंद होने का मतलब इसके मिशन का अंत नहीं होगा। वॉयेजर 1 और 2 दोनों में सोने की परत चढ़ी तांबे की डिस्क लगी हैं, जिन्हें 'गोल्डन रिकॉर्ड' कहा जाता है, जिन पर पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति से जुड़ी जानकारी उकेरी गई है। वॉयेजर की डिस्क पर 50 से अधिक भाषाओं में अभिवादन के अलावा धरती की आवाजें रिकॉर्ड की गई हैं। डिस्क पर रिकॉर्ड की गई भाषाओं में हिंदी सहित प्रमुख भारतीय भाषाएं शामिल हैं। केसरबाई केरकर द्वारा गाई गई एक प्रसिद्ध शास्त्रीय ठुमरी, 'जात कहां हो', को भी डिस्क में शामिल किया गया है।

इसमें एक पल्सर नक्शा है, जो ब्रह्मांड में पृथ्वी की लोकेशन दिखाता है। उन्नत पारलौकिक सभ्यताएं इस नक्शे की मदद से पृथ्वी को खोज सकती हैं। गोल्डन रिकॉर्ड में उस समय के अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का एक शुरुआती संदेश भी शामिल है। जब वॉयेजर 1 लॉन्च हुआ था, तब वे ही राष्ट्रपति थे। उन्होंने अपने संदेश में कहा था, हम यह संदेश ब्रह्मांड में भेज रहे हैं। मुमकिन है कि यह हमारे भविष्य में एक अरब साल तक सुरक्षित रहे।

तब तक हमारी सभ्यता पूरी तरह बदल चुकी होगी और धरती की सतह भी शायद बहुत बदल गई होगी। मिल्की वे आकाशगंगा में मौजूद 200 अरब तारों में से कुछ या शायद कई ऐसे ग्रह हो सकते हैं, जहां जीवन हो। वहां अंतरिक्ष की यात्रा करने वाली सभ्यताएं हो सकती हैं। अगर ऐसी कोई सभ्यता वॉयेजर को ढूंढ़ लेती है और इसमें रिकॉर्ड की गई चीजों को समझ पाती है, तो उसके लिए हमारा संदेश यह है—'यह एक छोटी-सी दूर की दुनिया की तरफ़ से तोहफ़ा है। यह हमारी आवाज़ों, हमारे विज्ञान, हमारी तस्वीरों, हमारे संगीत, हमारे विचारों और हमारी भावनाओं की एक निशानी है। हम अपने समय में टिके रहने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि हम आपके समय तक पहुंच सकें। हमें उम्मीद है कि एक दिन, अपनी समस्याओं को सुलझाकर, हम आकाशगंगा की सभ्यताओं के समुदाय का हिस्सा बन पाएंगे। यह रिकॉर्ड हमारी उम्मीद, हमारे संकल्प और इस विशाल एवं अद्भुत ब्रह्मांड के प्रति हमारी सद्भावना को दर्शाता है।'

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

आपात स्थिति में घबराहट के बजाय धैर्य का चुनाव करें

एन. रघुरामन

पिछले हफ्ते सोमवार से बुधवार के बीच हजारों किलोमीटर की दूरी पर स्थित दो अलग-अलग स्थानों पर दो घटनाएं हुईं। एक मध्य प्रदेश के भोपाल में और दूसरी जापान के क्यूशू द्वीप पर। भोपाल में मानसून के भारी बादल छाए हुए थे, जिनमें जापान के चिंता से भरे माहौल की झलक दिख रही थी।

'किसान क्रांति यात्रा' के तहत किसानों के विरोध प्रदर्शन ने भोपाल की मुख्य सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। अचानक स्कूल बंद हो गए। माता-पिता परेशान थे। दमघोंटू, उमस भरी गर्मी से हर कार ड्राइवर परेशान था। मुख्य होशंगाबाद रोड पूरी तरह ब्लॉक थी। किसी को बिजनेस प्रेजेंटेशन देना था, तो किसी को बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल के लिए घर पहुंचना था।

लेकिन कोई एक इंच भी आगे नहीं बढ़ सका। कई लोग फोन पर लगातार आ रहे नोटिफिकेशनों में उलझे थे। कुछ स्टीयरिंग पर हाथ मार-मार कर लगातार हॉर्न बजा रहे थे। कुछ लोगों के लिए यह हालात असहनीय थे तो वे विंडो-ग्लास नीचे कर जाम को कोसने लगे।

कुछ लोगों ने समीप की छोटी गलियों में घुस कर भोपाल-जबलपुर हाईवे तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन इस प्रक्रिया में उन्होंने आपात स्थिति में हो सकने वाली आवाजाही को भी रोक दिया। बड़े वाहन उन गलियों में मुड़ नहीं सकते तो इस वजह से दोपहिया वाहन भी फंस गए। मैं भी उसी ट्रैफिक जाम में मौजूद था। कई लोगों ने कार चालकों से धैर्य रखने की अपील की। लेकिन सभी जल्दी घर पहुंचना चाहते थे और इस अफरा तफरी में कोई भी समय से नहीं पहुंच पाया। इस अधीरता का असर यह हुआ कि कुछ लोगों को दोस्तों या रिश्तेदारों के घरों पर रात गुजारनी पड़ी, जबकि भोपाल दिल्ली से बहुत छोटा शहर है।

बीते मंगलवार को ठीक इसी दौरान जापान के दक्षिणी द्वीप पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। 1500 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें से 179 पूरी तरह तहस-नहस हो गईं। कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। करीब 80 हजार घर तो बिना पानी-बिजली के रहे। कई लोग 24 से 48 घंटों तक नहीं सोए। जिनके घर क्षतिग्रस्त हुए, उनका मन चिंता से बोझिल था। संकट में इंसान की प्रवृत्ति होती है कि वह हड़बड़ाहट में जानकारी लेने के लिए चिल्लाता है, आगे जाकर देखता है कि कैसे समस्या हल हो सकती है। वह अपने परिवार के लिए हरसंभव प्रयास करने की कोशिश करता है।

लेकिन द्वीप के उस तबाह हुए इलाके में बहुत से लोग कतारों में खाना-पानी लेने के लिए नहीं, बल्कि स्वयंसेवक के तौर पर उन लोगों तक खाना-पानी पहुंचाने के लिए खड़े थे, जिनके घर पूरी तरह टूट चुके थे या जो भूखे थे। कतार में खड़े कई लोगों के पैरों में दर्द था। उन्हें अपने जूतों के नीचे अब भी आफ्टरशॉक महसूस हो रहे थे, लेकिन फिर भी वे अपनी जगह खड़े रहे। यही अपने सबसे शुद्ध रूप में 'गामन' था। 'गामन' एक प्रमुख जापानी कल्चरल कॉन्सेप्ट है। इसका अर्थ है- सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अपने निजी दर्द, गुस्से या शिकायतों को छिपाए रखना। प्राकृतिक आपदाओं, कठिनाइयों या दुखों का शांति और मजबूती के साथ सामना करना। समाज और राष्ट्र की जरूरतों को अपनी व्यक्तिगत पीड़ा से ऊपर रखना।

कहीं न कहीं हम सभी ऐसे बड़े हुए हैं कि हमें तत्काल संतुष्टि चाहिए या इसे 'टू मिनट्स नूडल्स जनरेशन' भी कहा जा सकता है। लेकिन हमें अपने स्कूल जाने वाले बच्चों को 'गामन' के ये सबक जरूर सिखाने चाहिए। यह उनकी एंग्जायटी घटाने में हमारी मदद करेगा और वो इमरजेंसी में भी शांत रहना सीखेंगे।

नागरिक अधिकारों की अनदेखी

पुलिस कार्रवाइयों में मानव अधिकारों की अनदेखी बढ़ती चली गई है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या सत्ताधारी नेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व ने परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों की जवाबदेही तय करने के लिए आंदोलन चलाया, लेकिन उसी आंदोलन के दौरान ही पुलिस जवाबदेही का जो सवाल खड़ा हुआ, उसे उठाने की जिम्मेदारी उसने नहीं निभाई। यह स्वागतयोग्य है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ये दायित्व उठाया है। इससे संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मुद्दा भी उभरा है। गांधी ने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दो ठोस सवाल पूछे: क्या 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान उन पर पैलेट गन सहित जानलेवा ताकत के इस्तेमाल की मंजूरी आपने दी और अगर नहीं, तो फिर किसने दी? सादी पोशाक में जो लोग लाठियों से छात्रों को पीटते देखे गए, वे पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक, और उनकी तैनाती का आदेश किसने दिया?

देश के जनमत का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की इस टिप्पणी से सहमत होगा कि ऐसी हिंसा से हर कायदा नष्ट होता है और इस घटना ने देशवासियों में आक्रोश भरा है। आशा है, गृह मंत्री नेता विपक्ष को जवाबी पत्र लिखने अथवा संसद में इन प्रश्नों का उत्तर देने की अपनी जवाबदेही स्वीकार करेंगे। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि हाल के वर्षों में पुलिस कार्रवाइयों के दौरान मानव अधिकारों के प्रति सम्मान का भाव लगातार घटता चला गया है। गाहे-ब-गाहे ऐसी धारणा बनी है कि पुलिसकर्मी सरकारी नीति के तहत या उच्च पदस्थ राजनेताओं के निर्देश पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं।

20 जुलाई को पुलिसकर्मियों ने देश की राजधानी में, विश्व मीडिया के सामने, उच्च-मध्यम एवं मध्य वर्ग से आए ज़ेन-जी प्रदर्शनकारियों पर वैसी ही अमान्य कार्रवाइयां कीं। चूंकि दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आती है, इसलिए यह अपेक्षित है कि अमित शाह इस बारे में स्थिति स्पष्ट करें।

अगर पुलिसकर्मियों ने खुद अति-उत्साह दिखाया, तो उनके खिलाफ तुरंत उचित कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। अगर निर्णय राजनीतिक स्तर पर लिया गया, तो गृह मंत्री को अपना उत्तरदायित्व स्वीकार करना चाहिए। जवाबदेही का सवाल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ खत्म नहीं हो गया है।

प्रदर्शन से तय हो खेल बजट में राज्यों का हिस्सा

सतीश मेहरा

बेहतर खेल नीति खेलों का बुनियादी ढांचा तैयार करने व नयी प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित होती है ताकि खेलों में देश का परचम लहराए। राज्यों के बीच बजट के वितरण का आधार प्रदर्शन होना चाहिए। ऐसे में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल में हरियाणा को मिले पदकों के मुताबिक उसे संसाधन देना वाजिब कहा जाएगा।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-2026 ने एक बार फिर देश की खेल व्यवस्था के सामने एक ऐसा प्रश्न खड़ा कर दिया है, जिसका उत्तर केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि नीति और नीयत से दिया जाना चाहिये। जब देश के कुल 13 स्वर्ण पदकों में से 7 गोल्ड अकेले हरियाणा के खिलाड़ी जीतकर लाएं, कुल 39 पदकों में से 11 मेडल पर हरियाणा का कब्जा हो, मुक्केबाजी में भारत के 10 में से 7 पदक हरियाणा दिलाए और फिर भी खेल बजट के मामले में इस प्रदेश की अनदेखी हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या देश की खेल नीति प्रदर्शन के आधार पर बन रही है या किसी और आधार पर?

महज लगभग दो प्रतिशत आबादी वाला हरियाणा वर्षों से देश की खेल शक्ति का सबसे बड़ा आधार रहा है। ओलंपिक हो, एशियाई खेल हों या कॉमनवेल्थ गेम्स, हर बड़े मंच पर हरियाणा के खिलाड़ी भारत का तिरंगा सबसे अधिक बार बुलंद करते रहे हैं। इस बार भी हरियाणा ने अपनी परंपरा को कायम रखा। प्रदेश के 11 खिलाड़ियों ने पदक जीते, जिनमें 8 खिलाड़ी पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में उतरे थे। यह बताता है कि हरियाणा केवल चैंपियन नहीं बना रहा, बल्कि लगातार नई विश्वस्तरीय प्रतिभाएं तैयार कर रहा है।

सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शन मुक्केबाजी में सामने आया। भारत को मिले 10 पदकों में से 7 पदक हरियाणा के मुक्केबाजों ने जीते, जबकि 7 स्वर्ण पदकों में से 6 स्वर्ण हरियाणा की झोली में आए। एथलेटिक्स में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य जीतकर साबित कर दिया कि यह प्रदेश केवल एक खेल नहीं, बल्कि लगभग हर खेल में देश की सबसे मजबूत ताकत है।

यह सफलता तब मिली है जब इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन, क्रिकेट, टेबल टेनिस और कई ऐसे खेल शामिल ही नहीं थे जिनमें हरियाणा की पारंपरिक बादशाहत रही है। यदि ये खेल भी शामिल होते तो भारत के पदक तालिका में हरियाणा की हिस्सेदारी और भी अधिक होती।

हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत उसकी मिट्टी और उसके परिवार हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी छोटे किसानों, मजदूरों और सामान्य परिवारों से निकलते हैं। अनेक माताएं अपनी जरूरतें त्यागकर बच्चों को खेल मैदान तक पहुंचाती हैं। यही कारण है कि आज हरियाणा की बेटियां भी दुनिया में भारत का परचम लहरा रही हैं। इस बार हरियाणा के 11 पदक विजेताओं में 6 बेटियां शामिल रहीं। यह केवल खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की भी मिसाल है।

लेकिन इन उपलब्धियों के बीच सबसे बड़ा प्रश्न देश की खेल नीति पर उठता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार हरियाणा को केंद्र सरकार से खेल अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के लिए लगभग 63 करोड़ रुपये मिले, जबकि गुजरात को लगभग 661 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अतिरिक्त गुजरात को 'ओलंपिक रेडी' परियोजना के लिए लगभग 5,000 करोड़ रुपये की विशेष मदद भी प्रदान की गई। यदि इन निवेशों का उद्देश्य भविष्य के खिलाड़ी तैयार करना है तो यह अच्छी पहल है, लेकिन तब यह भी पूछा जाना चाहिए कि जो प्रदेश आज देश को सबसे अधिक अंतर्राष्ट्रीय पदक दिला रहा है, उसे उसकी उपलब्धियों के अनुरूप संसाधन क्यों नहीं मिल रहे?

विडंबना यह है कि हाल के दिनों में हरियाणा के कई सरकारी स्टेडियमों की जर्जर हालत सामने आई। कहीं सिंथेटिक ट्रैक टूटे हुए हैं, कहीं आधुनिक उपकरणों का अभाव है, तो कहीं खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद हरियाणा के खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया। यह उनकी प्रतिभा, अनुशासन और संघर्ष का परिणाम है, न कि सरकारी सुविधाओं का।

खेल नीति का पहला सिद्धांत होना चाहिए कि जहां से पदक आएं, वहां निवेश भी सबसे अधिक हो। यदि हरियाणा को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र, आधुनिक खेल विज्ञान प्रयोगशालाएं, उच्च स्तरीय कोचिंग और पर्याप्त केंद्रीय सहायता मिले तो यह प्रदेश अकेले भारत के पदकों की संख्या कई गुना बढ़ा सकता है। हालांकि खेलों में निवेश का उद्देश्य केवल भवन बनाना नहीं, बल्कि पदक जीतने वाली प्रतिभाओं को तैयार करना होना चाहिए।

हरियाणा के लिए वर्षों से कहा जाता है- 'देसां में देस हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा।' आज यह कहावत केवल संस्कृति की नहीं, बल्कि खेलों की भी पहचान बन चुकी है। देश की सेना में सबसे अधिक योगदान देने वाले प्रदेशों में शामिल हरियाणा आज खेलों में भी राष्ट्र की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। इसलिए यह अपेक्षा अनुचित नहीं कि केंद्र खेल बजट के वितरण में 'प्रदर्शन आधारित मॉडल' अपनाए, न कि केवल राजनीतिक या भौगोलिक प्राथमिकताओं से तय करे।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल-2026 का सबसे बड़ा संदेश स्पष्ट है-भारत को पदक चाहिए तो हरियाणा को संसाधन देने चाहिये। यदि पदक हरियाणा ला रहा है और बजट कहीं और जा रहा है, तो यह केवल हरियाणा के साथ नहीं, बल्कि भारत के खेल भविष्य के साथ भी अन्याय है। अब समय आ गया है कि केंद्र इस असंतुलन को दूर करे और उन राज्यों को प्राथमिकता दे जो वास्तव में देश के लिए विश्व मंच पर तिरंगा फहरा रहे हैं। क्योंकि खेलों में सम्मान भाषणों से नहीं, बल्कि सही निवेश और सही नीति से मिलता है।

गरीब मुल्क पर फिल्म से मोटी कमाई

पाकिस्तान शायद बना ही इसलिए था कि सनी देओल समय-समय पर वहां जाएं, हैंडपंप से लेकर टैंक तक संभालें और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नोट छापकर लौट आएं। अगर पाकिस्तान को एक इंडस्ट्री माना जाए, तो सनी देओल इस इंडस्ट्री के सबसे कामयाब उद्योगपतियों में गिने जाएंगे। गदर : एक प्रेम कथा, गदर-2 के बाद अब बॉर्डर-2 भी आ चुकी है। पाकिस्तान शायद बना ही इसलिए था कि सनी देओल समय-समय पर वहां जाएं, हैंडपंप से लेकर टैंक तक संभालें और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर नोट छापकर लौट आएं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भले डॉलर खोजती रहे, सनी देओल पाकिस्तान में कहानी खोज लेते हैं। पाकिस्तान के जनरल आसिम मुनीर ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से कहा, 'कुवैत, सऊदी अरब वगैरह को हम सिक्योरिटी देने की बात कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने पूछा, 'अपने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा का क्या?' जनरल बोले, 'वे पहले सऊदी अरब की तरह डॉलर देने की व्यवस्था करें, फिर उनकी सिक्योरिटी पर भी गंभीरता से विचार करेंगे।'

पाकिस्तान में सिक्योरिटी अब मोबाइल फोन के प्रीमियम प्लान जैसी है। बेसिक पैक में बयान मिलता है, प्रीमियम पैक में सुरक्षा। डॉलर वाला ग्राहक हो तो इंटरनेशनल सर्विस भी उपलब्ध है। पाकिस्तान और आईएमएफ का रिश्ता भी पुरानी हिंदी फिल्मों के अमीर रिश्तेदार जैसा है। हर संकट में दरवाजा उसी का खटखटाया जाता है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिल्मों वाला रिश्तेदार पूछता था, 'कितने पैसे चाहिए?' आईएमएफ पूछता है, 'पिछले वाले का क्या किया?' बिजली का बिल देखकर एक पाकिस्तानी नागरिक ने बिजली विभाग से पूछा, 'इतना बिल! मैंने बिजली इस्तेमाल ही कितनी की है?' अधिकारी बोला, 'बिल बिजली का थोड़े ही है। यह उम्मीद का बिल है कि किसी दिन आप इतनी बिजली इस्तेमाल कर पाएंगे।' क्रिकेट में पाकिस्तान की कहानी अलग है। टीम जीत जाए तो दावा होता है कि दुनिया की सबसे खतरनाक टीम वापस आ गई। हार जाए तो अगले दिन बहस शुरू, कप्तान बदलें, कोच बदलें, चयनकर्ता बदलें या पूरा बोर्ड बदल दें। पाकिस्तान क्रिकेट में सबसे स्थायी चीज परिवर्तन है। और अंत में पाकिस्तान का सबसे मजबूत उद्योग है भारत पर बयान देना। महंगाई हो, बिजली संकट हो, राजनीतिक संकट हो या क्रिकेट में हार, टीवी डिबेट में भारत पहुंच ही जाता है।

एक एंकर ने पूछा, 'हमारी अर्थव्यवस्था कैसे सुधरेगी?'

विशेषज्ञ बोले, 'बहुत कठिन सवाल है।'

एंकर ने पूछा, 'भारत पर चर्चा करें?'

विशेषज्ञ मुस्कुराए, 'यह हमारा विशेषज्ञता क्षेत्र है। पाकिस्तानी विशेषज्ञ हर समस्या की वजह भारत को मानता है और पूरी दुनिया पाकिस्तान को ही समस्या मानती है।'

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

आईना ए अदब करेगा बुजुर्ग शायरों का सम्मान

भिलाई। आईना ए अदब उर्दू हिंदी संगम तंजीम भिलाई-दुर्ग की बैठक में एक नशिस्त काव्य गोष्ठी - एक शाम मरहूम शायरों के नाम, कार्यक्रम की समीक्षा की गई और उर्दू को बढ़ावा देने के लिए आगे की रूपरेखा तय की गई। सदस्यों के सुझाव पर महाविद्यालयों में उर्दू के नामचीन शायरों पर विशेष आयोजन कराने का निर्णय लिया गया, ताकि युवाओं से उनकी शख्सियत और शायरी पर संवाद हो सके। बैठक में यह चिंता भी जताई गई कि कई बुजुर्ग शायर उपेक्षित जीवन जी रहे हैं, जिन्होंने उर्दू की सेवा में लंबा समय दिया है। संगठन ऐसे शायरों तक पहुंचकर सम्मान करेगा और उनके रचनात्मक काम को नई पीढ़ी के सामने लाएगा।

अगासदिया-वैभव प्रकाशन का पुस्तक विमोचन कार्यक्रम कल

भिलाई। सामाजिक-साहित्यिक संस्था अगासदिया और वैभव प्रकाशन की ओर से 5 अगस्त को विधानसभा अध्यक्ष के रायपुर स्थित आवास के सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में तीन पुस्तकों का विमोचन, प्रतिभाओं का सम्मान और व्याख्यान होगा। मुख्य अतिथि डॉ रमन सिंह रहेंगे। अध्यक्षता राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा करेंगे। डॉ रजनी नेल्सन की पुस्तक सुरंग के सात रंग, डॉ. शिरोमणि माथुर की अंतरज्योति तथा दिनेश चौहान की कुछ प्रसिद्ध कहानी एवं लोककथाओं का छत्तीसगढ़ी अनुवाद का लोकार्पण होगा। सम्मानित होने वालों में डॉ. रजनी और डॉ. शिरोमणि भी शामिल हैं। कार्यक्रम में वक्तव्य गिरीश पंकज और डॉ. सुधीर शर्मा द्वारा दिया जाएगा।

तालपुरी बी ब्लॉक में रफी साहब को किया याद

भिलाई। तालपुरी बी ब्लॉक में राग मंजरी ने शाम-ए-रफी का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डीएसपी विनोद पहाड़े थे। डॉ. गणेश मंथापुरवार ने रफी के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला। 15 गायक-गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए।

जब मन में अच्छे विचार, श्रेष्ठ संकल्प या धर्मकार्य करने की प्रेरणा हो तो शुभ कार्य को टालना नहीं चाहिए : मणिभद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन में आयोजित आध्यात्मिक वर्षावास चल रहा है। प्रतिदिन धर्मसभा में श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति हो रही है। राष्ट्र संत, नेपाल केसरी एवं मानव मिलन के संस्थापक परम पूज्य श्री मणिभद्र मुनि महाराज ने भगवान महावीर की दिव्य वाणी का भावपूर्ण विवेचन करते हुए कहा कि भगवान की वाणी पवित्र, पावन और समस्त जीवों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाली होती है।

प्रवचन के दौरान गुरुदेव ने प्रेरणादायी संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य को शुभ कार्यों में कभी विलंब नहीं करना चाहिए। अक्सर जब मन में अच्छे विचार, श्रेष्ठ संकल्प या धर्मकार्य करने की प्रेरणा आती है, तो व्यक्ति उसे भविष्य के लिए टाल देता है या दूसरों की सलाह की प्रतीक्षा करता रहता है। परिणामस्वरूप वह शुभ अवसर निकल जाता है। इसके विपरीत जब अशुभ

विचार आते हैं, तो उन्हें बिना सोचे-समझे तुरंत कार्यरूप दे देते हैं। इसलिए शुभ संकल्प को तत्काल कर्म में परिणत करें और अशुभ भावों को तत्काल त्याग दें।

गुरुदेव ने कहा कि जड़ (शरीर) और चेतन (आत्मा) का संबंध अनादिकाल से चला आ रहा है। इस बंधन से मुक्त होकर आत्मा अपने शुद्ध, बुद्ध और दिव्य स्वरूप में तभी प्रकट हो सकती है, जब साधक सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र एवं सम्यक तप की आराधना करे। तप के महान अनुष्ठानों के माध्यम से कर्मबंधन क्षीण होते हैं और आत्मा मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होती है।

उन्होंने धर्म के दो स्वरूपों का सुंदर विवेचन करते हुए बताया कि साधु धर्म को अणगार धर्म तथा गृहस्थ धर्म को आगार धर्म कहा गया है। दोनों ही अपने-अपने स्थान पर आत्मकल्याण के सशक्त साधन हैं। जो व्यक्ति अपनी पात्रता और सामर्थ्य के अनुसार धर्म का पालन करता है, वह जीवन को सार्थक बना सकता है।

रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी भिलाई में 'विद्यारंभ 2.0' में जुटे 15 राज्यों के विद्यार्थी

स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर लगातार प्रयास करने से सुनिश्चित हो सकती है सफलता : वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि आप अपने लक्ष्य को पहचाने तथा सुनिश्चित करें। इसके बाद पूरे लगन से उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। केवल आंकड़ों का गणित सीखना काफी नहीं है, किताबी शिक्षा के साथ-साथ कौशल का विकास करना भी जरूरी है।

श्री चौधरी रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी में आयोजित 'विद्यारंभ 2.0' को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। देश के 15 राज्यों से आए बच्चों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी सफलता की यात्रा को साझा किया।

उन्होंने बताया कि विपरीत एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद वे कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कौशल विकास, ज्ञान में निरंतर वृद्धि और सीखते रहने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत, प्रतिभा और सीखने की क्षमता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए तथा समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। नई तकनीक, नए विचार और नए कौशल को अपनाने की क्षमता व्यक्ति को प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफल बनाती है।

वित्त मंत्री ने कहा कि जब लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे हासिल करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लगातार प्रयास किया जाए, तो दुनिया की कोई भी ताकत सफलता प्राप्त करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और कभी भी स्वयं को कमजोर नहीं समझने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली परेशानियों और चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका स्वागत करना चाहिए, क्योंकि कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत बनने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। मुश्किलों का डटकर सामना करने से ही व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में बड़ी-बड़ी चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य, परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ उनका सामना करना चाहिए। बदलते समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपने कौशल का विकास करें, ज्ञान बढ़ाएं और जीवन में निरंतर सीखते रहें।

प्रसिद्ध उद्यमी एवं कंटेंट क्रिएटर अंकुर वारिकू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपने जीवन और करियर में आए विभिन्न बदलावों तथा उनसे प्राप्त अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। अपनी बेबाक एवं पारदर्शी सोच तथा असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के दृष्टिकोण के लिए पहचाने जाने वाले अंकुर ने अपने करियर में किए गए पांच प्रमुख बदलावों के बारे में विस्तार से बताया।

अंकुर ने अपने शुरुआती दिनों में युवाओं एवं पेशेवरों को किफायती और उपयोगी जीवन-कौशल आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वेबवेदा की शुरुआत की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि करियर में बदलाव और असफलताएं जीवन का हिस्सा हैं। बदलते समय के साथ निरंतर नया सीखते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर संजय रूंगटा, संतोष रूंगटा, संजिव शुक्ला, चिन्मय चंद्राकर, वेणू गोपाल एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक सहित रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बीएसपी के प्लेट मिल ने जुलाई माह में रचा सवा लाख टन का नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल बीएसपी के प्लेट मिल ने उत्पादन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए जुलाई 2026 में 1,25,254 टन उत्पादन कर जुलाई माह का अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस उपलब्धि के साथ विभाग ने जुलाई 2023 में स्थापित 1,20,139 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, ईडी (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, ईडी (मानव संसाधन) पवन कुमार, ईडी (परियोजनाएं) पीके सरकार, ईडी (संकार्य) राकेश कुमार तथा ईडी (माइंस) कमल भास्कर ने प्लेट मिल का दौरा कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने टीम के समर्पण, उत्कृष्ट कार्यकुशलता एवं सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र ने प्लेट मिल की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पण, उत्कृष्ट समन्वय तथा निरंतर बेहतर प्रदर्शन की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि टीम भविष्य में भी इसी उत्साह एवं कार्यकुशलता के साथ नए कीर्तिमान स्थापित कर बीएसपी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

वहीं सीजीएम प्लेट मिल कार्तिकेय बेहेरा ने टीम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी तथा उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी प्लेट मिल हर चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा।

बीएसपी में ठेका श्रमिकों के लिए सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, 1030 श्रमिकों ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- बीएसपी में ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता, सुरक्षित कार्य व्यवहार एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 30 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय सुरक्षा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के अनुमोदन तथा ईडी (संकार्य) राकेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

प्रतियोगिता का आयोजन संयंत्र के आयरन जोन, स्टील जोन, मिल जोन एवं सर्विस जोन में किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के कुल 1,030 ठेका श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 850 पुरुष एवं 180 महिला श्रमिक शामिल थे।

प्रथम चरण में प्रत्येक विभाग से तीन-तीन टीमों का चयन किया गया, जिसके पश्चात जोन स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी जोन की विजेता टीमों के मध्य आयोजित संयंत्र स्तरीय फाइनल में स्टील मेल्टिंग शॉप-2 की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन तथा प्लेट मिल की टीम संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रही। संचालन सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग की जीएम पुष्पा एम्ब्रोस तथा एजीएम हेमंत वर्मा ने किया।

एनालॉग पनीर पर दुर्ग जिले में भी लगाया प्रतिबंध

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा राज्य में पनीर एनालॉग तथा गैर-दूध खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं बिक्री पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अंतर्गत ऐसे किसी भी गैर-दूध उत्पाद जो असली पनीर, क्रीम, मक्खन या अन्य दुग्ध उत्पादों की नकल (इमिटेशन) करते हैं, उनके संपूर्ण चक्र पर रोक लगा दी गई है।

जिले के निर्माता फर्म, डेयरी, होटल, रेस्टोरेंट, थोक विक्रेता एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे पनीर एनालॉग या नकली दुग्ध उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन व विक्रय तुरंत बंद करें। साथ ही, निर्माता फर्में अपने लाइसेंस से एनालॉग उत्पादों को हटाने हेतु तत्काल आवश्यक सुधार करें।

राजहरा माइंस अस्पताल में लगा 26वां मेगा हेल्थ कैम्प

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल बीएसपी के राजहरा माइंस अस्पताल में 1 अगस्त 2026 को 26वें मेगा मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य राजहरा माइंस एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को उनके घर के निकट विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की बहु-विषयक टीम ने सेवाएं दी।

कैंप के सफल आयोजन में सीएमओ एवं अस्पताल प्रमुख डॉ. उदय कुमार, पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अस्पताल प्रमुख (एम एंड एचएस) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, सीजीएम राजहरा माइंस आरबी गहरवार तथा एजीएम कार्मिक तुषार रॉयचौधरी के मार्गदर्शन एवं सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. चंदन दास, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद बिनायके, दर्द प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. तनुजा आनंद, अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. इमैनुएल मैसी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निशा ठाकुर, नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. दीपाली गुप्ता, सामान्य शल्य चिकित्सक डॉ. राजशेखर, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. शशांक अग्रवाल तथा ईएनटी शल्य चिकित्सक डॉ. प्रियंका शिलिंग शिवप्पा ने विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कीं। इनके साथ अस्थि रोग विभाग के डीएनबी रेजिडेंट डॉ. रायहान, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डीएनबी रेजिडेंट डॉ. सोनाली, नेत्र विज्ञान की डीएनबी रेजिडेंट डॉ. श्रीष्टि, मेडिसिन की डीएनबी रेजिडेंट डॉ. पूर्णिमा, ईएनटी के डीएनबी रेजिडेंट डॉ. प्रांशु, फिजियोथेरेपिस्ट श्री जयभास्कर तथा सहायक प्रबंधक श्री जितेंद्र अजमीरा एवं श्रीमती सुषमा रोकड़े ने भी शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिविर के दौरान कुल 560 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया गया। इसके अतिरिक्त अस्थि रोग विभाग द्वारा 8 इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन लगाए गए तथा 5 मरीजों का प्लास्टर किया गया। शिविर में आवश्यक दवाइयां एवं चिकित्सकीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। शिविर को सफल बनाने में राजहरा माइंस अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हाईटेक में एक ही दिन में कैंसर की तीन सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। हाईटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल में शुक्रवार का दिन कैंसर सर्जरी के नाम रहा। एक ही दिन में थॉयरायड, मुंह तथा बच्चेदानी की सर्जरी की गई। इनमें से दो कैंसर के पुष्ट मामले थे जिनमें से एक उच्च जोखिम वाला था। मुंह के कैंसर की सर्जरी जहां एनेस्थीसिया के लिए चुनौतीपूर्ण थी वहीं थायरॉयड का कैंसर फॉलीक्यूलर किस्म का था जिसे उच्च जोखिम वाला माना जाता है।

हाईटेक के निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ नरेश देशमुख ने बताया कि पहला मामला फॉलीक्यूलर थायरॉयड कैंसर का था। दूसरा मामला मुंह के कैंसर का था। 60 वर्षीय इस रोगी का मुंह बमुश्किल दो उंगल खुलता था। ऐसे मरीजों की सर्जरी के समय एयरवे को सुरक्षित और उपलब्ध रखना चुनौतीपूर्ण होता है।

इसलिए रोगी को नाक के रास्ते से ऑक्सीजन देने का इंतजाम करना पड़ा। इसी तरह तीसरी मरीज एक लगभग 35 वर्षीय महिला थी। इनके गर्भाशय में एक बड़ी गांठ थी। गांठ को जांच के लिए भेजा गया है।

ईएनटी सर्जन डॉ अपूर्व वर्मा ने बताया कि लगभग 31 साल का युवक पिछले लगभग दो साल से तकलीफ में था। थायरॉयड की गांठ इतनी बड़ी हो गई थी कि ट्रैकिया अपनी जगह से हिल चुका था। यह समस्या थायराइड की फॉलिक्युलर कोशिकाओं में बदलाव के कारण होती है। समय पर इलाज कराने पर पूरी तरह ठीक हो सकता है। पर विलंब होने पर यह तेजी से मेटास्टाइज होता है और शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंचकर मृत्यु का कारण बनता है।

इसी तरह मुंह के छाले के मरीज का इलाज करने वाले मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ सन्नी सिकरवार ने बताया कि लगभग 60 वर्षीय इस रोगी के मुंह में एक बड़ा छाला था। वे कई महीनों से परेशान थे। जब भोजन करना अत्यंत कठिन हो गया तब वे अस्पताल पहुंचे। यह एक कैंसर था जो जबड़ों तक पहुंच चुका था। इस सर्जरी में मुंह का एक बड़ा हिस्सा गया तथा फ्लैप लगाया गया। इस सर्जरी तीन घंटे से भी अधिक समय लगा।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंजना चौधरी ने बताया कि 35 वर्षीय इस महिला को गर्भधारण करने में समस्या आ रही थी। जांच करने पर उसके गर्भाशय में एक गांठ मिली। वैसे गर्भाशय में गांठ का होना आम तौर पर बिनाइन होता है पर कैंसर की संभावना को पूरी तरह से नकारने के लिए गांठ की जांच करवाई जाती है। इस मामले में भी ऐसा ही किया गया।

दुर्ग में डेंगू के खिलाफ नगर निगम का अभियान तेज, हो रहा छिड़काव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को शहरभर में तेज गति से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जलभराव वाले क्षेत्रों, निचले इलाकों, नालियों, खाली भूखंडों तथा ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जहां वर्षा का पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की संभावना रहती है।

महापौर अलका बाघमार के निर्देशानुसार पर स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता टीमों द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार एंटी लार्वा दवा, टेमेफोस, जले ऑयल एवं लार्वा नियंत्रण जैल का छिड़काव किया जा रहा है। इन उपायों से पानी में पनपने वाले मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों के फैलाव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बारिश के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। इसलिए निगम की टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छिड़काव, साफ-सफाई और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
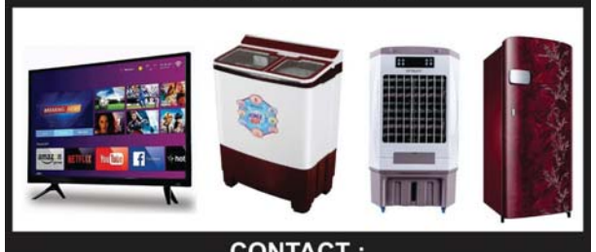
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

मंत्री राजेश अग्रवाल ने जनदर्शन में सुनीं आमजन की समस्याएं

रायपुर। प्रदेश में सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे आम नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने लोगों की समस्याओं, मांगों और सुझावों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं नगरीय क्षेत्रों से आए नागरिकों ने पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पर्यटन विकास, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं एवं मांगें मंत्री अग्रवाल के समक्ष रखीं। मंत्री अग्रवाल ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।

आयुष्मान कार्ड शिविर में 256 लोगों का पंजीयन, एकता जन विकास समिति की पहल

रायपुर। राजधानी के तात्यापारा स्थित मोमिनपारा में एकता जन विकास समिति के तत्वावधान में नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य योजना का लाभ उठाया। शिविर के दौरान कुल 256 लोगों का पंजीयन किया गया और पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। यह शिविर 2 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दरगाह हॉल, हैदरी मस्जिद के सामने, तात्यापारा मोमिनपारा में आयोजित किया गया। शिविर में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कर्मचारी राहुल गजभिये, संतोष बेलगाहे एवं रिया राजपूत ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी कर लोगों को नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध कराईं। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष मोहम्मद इक्तेदार हैदरी ने किया।

कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल ने मनाई पं. रविशंकर शुक्ल व विद्या चरण शुक्ल जयंती

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल, आशीर्वाद भवन, रायपुर द्वारा अभिभाजित मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ के गौरव, कान्यकुब्ज सभा शिक्षा मंडल के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष पंडित रविशंकर शुक्ल तथा उनके सुपुत्र, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ल की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने दोनों महान विभूतियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आयुष विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर के एल तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सर्वप्रथम प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल ने शिक्षा, समाजसेवा और जनकल्याण को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

तेन्दूपत्ता संग्रहण की नई पहल से अबुझमाड़ के 22 गांवों को मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की नई तेन्दूपत्ता संग्रहण नीति अबुझमाड़ के दूरस्थ गांवों के लिए राहत और रोजगार का नया माध्यम बन गई है। वर्ष 2026 में पहली बार असीमांकित क्षेत्रों में नए तेन्दूपत्ता फड़ खोले गए, जिससे ग्रामीणों को अपने गांव के पास ही तेन्दूपत्ता बेचने की सुविधा मिली।

पहले ग्रामीणों को तेन्दूपत्ता बेचने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। अब गांव के पास फड़ खुलने से उनका समय, श्रम और खर्च बचा है। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। ग्रामीणों ने इस पहल पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे उनकी आय बढ़ी है और काम करना पहले की तुलना में आसान हुआ है।

राज्य शासन ने वर्ष 2026 के लिए तेन्दूपत्ता की दर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित की है। इससे ग्रामीणों में तेन्दूपत्ता संग्रहण के प्रति उत्साह बढ़ा। ग्रामीणों की मांग पर वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार अबुझमाड़ क्षेत्र में नए फड़ खोलने की प्रक्रिया तेज की गई। वन विभाग ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ से अनुमति प्राप्त की और संग्रहण कार्य शुरू कराया।

इस पहल के तहत कलमानार, ओकपाड़, कुतुल, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, टेकानार, बांहकेर और रायनार में कुल 10 नए तेन्दूपत्ता फड़ स्थापित किए गए। इन फड़ों के माध्यम से 22 गांवों के 365 संग्राहकों ने 161.254 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया। संग्राहकों को तेन्दूपत्ता के बदले 8 लाख 86 हजार 897 रुपये की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई। समय पर और पारदर्शी भुगतान मिलने से ग्रामीणों का शासन पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

इस योजना से कलमानार, पिड़का, ब्रेहबेड़ा, कंदाड़ी, किशकाल, ओकपाड़, कुतुल, आलबेड़ा, निरामेटा, कोडकानार, कानागांव, कच्चापाल, ताड़ोकुर, टेकानार, नयापारा, मकसोली, हिकपुला, बांहकेर, झोरीगांव, रेंगाबेड़ा, कोकोड़ी और रायनार सहित कुल 22 गांवों के ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं।

छत्तीसगढ़ शासन की यह पहल केवल तेन्दूपत्ता संग्रहण तक सीमित नहीं है, बल्कि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और ग्रामीण परिवारों को स्थानीय रोजगार, बेहतर आय और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अबुझमाड़ के ग्रामीणों के लिए यह पहल आत्मनिर्भरता और विकास की नई उम्मीद बनकर उभरी है।

ग्रामीण उद्यमिता का मार्ग है संभागीय सरस मेला: विजय शर्मा

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की दीदियों द्वारा बनाए गए सामग्रियां मिल रही है बहुत ही कम दरों पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर चौरा में आयोजित पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि संभागीय सरस मेला से ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार को एक नई दिशा मिलती है तथा यह आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होता है।

सरस मेला में स्वदेशी, प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु संभागीय सरस मेला समूह की दीदियों के लिए सफलता के द्वार खोलेगा। संभागीय सरस मेला के उद्घाटन के दौरान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग बिसेसर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, वीरेंद्र साहू, लोकचंद साहू, संतोष पटेल, विदेशी राम धुर्वे, कलेक्टर गोपाल वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक जिले के अधिकारी गण, स्व सहायता समूह की दीदियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

मेले में लगे स्टालों का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अवलोकन किया तथा महिला समूह से उनके उत्पादन के विषय में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान स्टॉल से खरीदी कर महिला समूह का हौसला बढ़ाया तथा उन्हें सफल व्यवसाय की शुभकामनाएं दी।

संभागीय सरस मेला के संबंध में कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि मेले का आयोजन सावन माह में किया गया है जो 06 अगस्त की शाम तक चलेगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। 50 से अधिक स्टॉलों के द्वारा एक ही छत के नीचे ताज़े एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित अन्य स्थानीय उत्पादन मिल रहा है। हस्तशिल्प एवं हथकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद,घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियों का विशाल भंडार विक्रय के लिए उपलब्ध होगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल ने बताया की समूह की दीदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को बाजार उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है। प्रत्येक खरीदी पर ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वदेशी भारत का संकल्प होगा। जैविक खाद्य सामग्री, आकर्षक सजावट के सामान सहित अन्य उपयोगी वस्तु कम दर पर उपलब्ध है। सभी जिलेवासियों से अपील की जाती है कि वह सावन के इस पवित्र महीने में बाबा भोरमदेव के दर्शन के साथ ही संभागीय सरस मेला का लाभ उठाए।

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका तरुणा साहू के पंडवानी गायन ने सभी का मन मोह लिया। द्रोपदी चीर हरण सहित अन्य प्रसंगो की मार्मिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को उस काल खण्ड की याद दिला दी। इसी तरह स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल बोड़ला के बच्चों द्वारा शिव तांडव का नृत्य प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सरस मेला में उपस्थित सभी लोगों का खूब मनोरंजन किया। उल्लेखनीय है कि संभागीय सरस मेला में दुर्ग संभाग के कबीरधाम सहित जिला दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, बेमेतरा, मोहला- मानपुर- अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़- छुईखदान- गंडई के अतिरिक्त अन्य ज़िलों की महिला स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा उत्पादित आकर्षक सामग्रियों की प्रदर्शनी सह विक्रय के लिए 50 स्टॉल गए हैं। इन स्टॉलों में विभिन्न जैविक खाद्य सामग्री जैसे हल्दी, मिर्ची, धनिया, कोदो- कुटकी, कटहल, आम, नीबू महुआ के आचार, पापड़, ब्लैक राइस के साथ अगरबत्ती, दोना-पत्तल,बैग, सिंगार के सामान, हैंड बैग सहित अनेको आकर्षक सामग्री महिला समूह द्वारा बनाये गए है।

कला के माध्यम से अभिव्यक्ति एक बड़ा हुनर- वनमंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की सकारात्मक छवि, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को रचनात्मक कला के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को जगदलपुर के एक निजी होटल में 'मुस्कुराता बस्तर' कार्टून कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के सहयोग से देश की एकमात्र मासिक कार्टून पत्रिका 'कार्टून वॉच' द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में जिले के 10 विद्यालयों के 120 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अपनी भावनाओं और विचारों को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करना भी एक विशेष हुनर है। उन्होंने कहा कि कार्टून और कैरिकेचर केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और विकास के सकारात्मक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की सशक्त कला है। इस अवसर पर महापौर संजय पांडेय एवं एमआईसी सदस्य संग्राम सिंह, स्कूलों के शिक्षक एवं विद्यार्थीगण भी उपस्थित रहे। बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने भी कार्यशाला में पहुंचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यशाला में दिल्ली के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट माधव जोशी और पुणे के प्रसिद्ध कैरिकेचर कलाकार शुभम जिंदे ने लाइव डेमो के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्टून एवं कैरिकेचर निर्माण की तकनीकें सिखाईं। उन्होंने विद्यार्थियों को कला के सामाजिक महत्व, रचनात्मक संभावनाओं तथा रोजगार के अवसरों की भी जानकारी दी। गौरतबल है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर विकास, विश्वास और नई संभावनाओं के साथ नई पहचान बना रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, बस्तर दशहरा तथा जनजातीय संस्कृति जैसी धरोहरें बस्तर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिला रही हैं।

पुनर्वास नीति के तहत नक्सली हिंसा के 13 पीड़ितों को 32 लाख रुपये की सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वन एवं बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार बीजापुर जिले में नक्सली हिंसा के 13 पीड़ितों को पुनर्वास नीति के तहत कुल 32 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सहायता उन नागरिकों के लिए स्वीकृत की गई है, जो नक्सली हिंसा में गंभीर रूप से घायल हुए हैं या स्थायी रूप से दिव्यांग हो गए हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे पीड़ितों को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें सम्मानजनक जीवन और पुनर्वास का अवसर उपलब्ध कराना है।

इन पीड़ितों को मिलेगा लाभ

स्वीकृत सहायता राशि के अंतर्गत पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ के दौरान क्रॉस फायरिंग में गंभीर रूप से घायल नंदू ओयाम और जिला कुंजाम, माओवादियों की मारपीट में घायल ईस्ता बोर्रा, बारूदी सुरंग विस्फोट में घायल मितराम रावटे, आईईडी विस्फोट में घायल कोरसे संतोष, चिड़ेम कन्हैया और कविता कुड़ियम, माओवादियों की मारपीट से स्थायी रूप से दिव्यांग हुए इच्चामी सुदरू, तथा आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल या स्थायी रूप से दिव्यांग हुए राममूर्ति कारम, बबलू उर्फमोहन कड़ती, गंगा कलमू, राजेश कुमार यादव और सोढ़ी मुकेश शामिल हैं।

डीबीटी के माध्यम से शीघ्र होगा भुगतान

कलेक्टर विश्वदीप ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से शीघ्र संबंधित हितग्राहियों के बैंक खातों में किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सके। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति नक्सली हिंसा से प्रभावित नागरिकों को राहत, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत आधार प्रदान कर रही है। यह पहल पीड़ित परिवारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और समर्पण का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। राज्य शासन की इसी जनकल्याणकारी सोच और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सतत सुधार के परिणामस्वरूप गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के विकासखंड गौरेला स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर चनाडोंगरी ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के अंतर्गत 88.57 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन हासिल किया है।

यह उपलब्धि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, बेहतर प्रबंधन तथा जनकेंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा में प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय स्तर की मूल्यांकन टीम द्वारा स्वास्थ्य संस्थान का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों की संतुष्टि, स्वच्छता, रिकॉर्ड संधारण, दवाओं की उपलब्धता, मानव संसाधन प्रबंधन, अधोसंरचना, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन तथा सामुदायिक सहभागिता सहित विभिन्न मानकों पर संस्थान का मूल्यांकन किया गया। सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर चनाडोंगरी ने 88.57 प्रतिशत अंक अर्जित कर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त किया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर चनाडोंगरी में ग्रामीणों को नियमित रूप से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहां प्रतिदिन बाह्य रोगी सेवाएं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवाएं, गैर-संचारी रोगों की जांच एवं परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, टेलीमेडिसिन सुविधा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श, नि:शुल्क औषधि वितरण तथा आवश्यक जांच सेवाएं प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही हैं। इन सुविधाओं के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और उन्हें स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो रहा है। गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में अब तक चनाडोंगरी सहित 14 स्वास्थ्य संस्थाएं राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) से प्रमाणित हो चुकी हैं।

शेष स्वास्थ्य संस्थानों को भी राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन दिलाने के लिए आवश्यक सुधार एवं तैयारियां निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास, प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों को सशक्त बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से साकार हो रहा सुशासन का संकल्प

समयबद्ध, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण निराकरण से बढ़ रहा आमजन का विश्वास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेह प्रशासन की सशक्त पहचान बन चुकी है। यह केवल शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी और संतोषजनक समाधान का भरोसेमंद मंच बनकर उभरी है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है, जिससे नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में कोरबा जिले में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से सभी विभागों के अधिकारियों को लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाते हैं। यही सतत मॉनिटरिंग और जवाबदेह कार्यप्रणाली जिले के बेहतर प्रदर्शन का आधार बनी है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कोरबा जिले में अब तक 4,042 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 73.60 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है, जो राज्य के औसत 63.84 प्रतिशत से अधिक है। इसी प्रकार जिले में प्राप्त फीडबैक में 61.37 प्रतिशत शिकायतकर्ताओं ने समाधान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जो राज्य के औसत 55.68 प्रतिशत से बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। इन आंकड़ों के पीछे अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जहां मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हुआ और उन्हें त्वरित राहत मिली।

विकासखंड पाली के ग्राम पोलमी निवासी गौरीबाई के पास राशन कार्ड नहीं होने के कारण वे विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही अधिकारियों ने संवेदनशीलता के साथ आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जनपद पंचायत पाली के माध्यम से उन्हें अंत्योदय राशन कार्ड उपलब्ध कराया। अब उन्हें खाद्यान्न सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से मिल रहा है। गौरीबाई ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ने उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या का संतोषजनक समाधान कर दिया।

कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र में सिद्धि विहार स्थित शांति विला गोदावरी निवास के आसपास आवारा कुत्तों की समस्या से परेशान श्रीमती वंदना यादव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने के कुछ घंटों के भीतर ही नगर पालिका द्वारा संबंधित क्षेत्र में बंध्याकरण एवं टीकाकरण अभियान संचालित कर आवश्यक कार्रवाई की गई। समस्या के समाधान के बाद शिकायतकर्ता ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन की तत्परता से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार मोतीसागरपारा निवासी शांतनु मिश्रा ने मोहल्ले की नाली में गाद जमा होने से जलभराव की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही नगर निगम की स्वच्छता टीम ने मौके पर पहुंचकर नाली की सफाई कर जल निकासी सुचारु कर दी। वहीं वार्ड क्रमांक 58 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर स्थित खाली भूखंड में लंबे समय से जमा कचरे की शिकायत पर निगम की टीम ने जेसीबी एवं ट्रैक्टर की सहायता से पूरे क्षेत्र की सफाई कर आसपास के रहवासियों को राहत पहुंचाई।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ने छोटी-छोटी लेकिन आमजन के दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित किया है। मोतीसागरपारा निवासी कन्हैया लाल टेवानी ने मोहल्ले की खराब स्ट्रीट लाइट की शिकायत दर्ज कराई। अगले ही दिन संबंधित विभाग ने स्ट्रीट लाइट सुधारकर पुन: चालू कर दी।

'मॉम' का बन रहा सीक्वल, एक्ट्रेस खुशी कपूर निभाएगी लीड रोल

महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

खुशी कपूर ने 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था, लेकिन 'नादानियां' और 'लवयापा' जैसे प्रोजेक्ट्स को खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। ऐसे में 'मॉम 2' को उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के शुरुआती फुटेज देखने वाले एक सूत्र ने खुशी की एक्टिंग में काफी सुधार बताया है। उन्होंने कहा कि खुशी इस बार ज्यादा इमोशनल डेप्थ के साथ नजर आ रही हैं और कहीं-कहीं श्रीदेवी की झलक भी दिखती है।

पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस में नितांशी गोयल का दिलकश अंदाज

तस्वीरें देख फैंस बोले- फूल कुमारी मैडम

फिल्म लापता लेडीज की भोली-भाली फूल कुमारी तो याद होगी? यह भूमिका अभिनेत्री नितांशी गोयल ने निभाई। मूवी में सादगी वाले अंदाज में नजर आईं एक्ट्रेस फिलहाल अपने स्टाइलिश फोटोशूट को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनका बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है।

नितांशी गोयल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। वे ब्राउन कलर की मिनी ड्रेस पहनी दिख रही हैं। उन्होंने अपना लुक सिंपल रखा है, इसके बावजूद बेहद आकर्षक लग रही हैं।

नितांशी गोयल की तस्वीरें देख फैंस उनके लुक की तारीफें कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फूल मैडम। एक अन्य यूजर ने लिखा, गॉर्जियस। एक यूजर ने लिखा, इस प्यारी लड़की की शानदार तस्वीरों के साथ जुलाई ने इस अंदाज में विदा ली है।

लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए नितांशी को खूब तारीफें मिली थीं। उन्हें इसके लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का आईफा पुरस्कार भी मिला था। नितांशी गोयल उत्तर प्रदेश के नोएडा से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म 12 जून 2007 को नोएडा में हुआ। नितांशी ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। वे कई फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आईं।

'ये बहुत घिनौना है', 'टॉक्सिक' के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा

दरअसल, 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। कुछ लोग कियारा के शादीशुदा होने और मां बनने के बाद ऐसे सीन्स करने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, यश भी शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे

इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेंगी। उनका इशारा इस बात की तरफथा कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी।

हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

कियारा की हो रही ट्रॉलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोल्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।

टॉक्सिक के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

मार्वल की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बनीं 'स्पाइडर मैन 4'

मार्वल की नई फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। जानिए फिल्म ने कितनी कमाई कर ली है। 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' 30 जुलाई को रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज के बाद से ही शानदार कमाई कर रही है। अब इसने अपने नाम एक माइलस्टोन भी सेट कर लिया है।

ओपनिंग वीकेंड पर की इतनी कमाई

'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने दुनियाभर में ओपनिंग वीकेंड पर 927 मिलियन डॉलर (लगभग 687 मिलियन पाउंड) की कमाई की, जो इसे अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बना देता है। इस मामले में यह फिल्म सिर्फ 'एवेंजर्स: एंडगेम' से पीछे है, जिसने 2019 में अपने पहले वीकेंड पर 1.2 बिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की थी। टॉम हॉलैंड और जेंडाया की इस फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया और 335 मिलियन डॉलर का कलेक्शन किया, जो यहां दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग मानी जा रही है।

अमेरिका के बाहर भी फिल्म ने शानदार कमाई की है। 73,000 से ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज हुई इस फिल्म ने 572 मिलियन डॉलर कमाए, जिसमें चीन से 121 मिलियन डॉलर और यूके से 49 मिलियन डॉलर शामिल हैं।

'एंडगेम' के बाद आई मार्वल की कई फिल्मों को पहले जैसा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। 'द मार्वेल्स' और 'थंडरबोल्ट्स' जैसी फिल्में अपनी लागत तो निकाल पाईं, लेकिन कमाई के मामले में कमजोर रहीं। हालांकि, स्पाइडर-मैन फ्रेंचाइजी हमेशा से मार्वल की सबसे कमाऊ सीरीज में रही है। 'नो वे होम' ने करीब 2 बिलियन डॉलर की कमाई की थी।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल

बोलीं- 'किरदार स्क्रीन टाइम देखकर नहीं..'

दीया मिर्जा के हाल ही में कई प्रोजेक्ट रिलीज हुए हैं। मगर ज्यादातर फिल्मों में उनका रोल काफी सीमित रहा। अब इस मामले पर अभिनेत्री ने अपनी सोच जाहिर की है।

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा।

भूमिका की लंबाई नहीं, आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। न्यूज 18 से बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए।

कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा ही होगा किरदार

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।'

बताते चलें कि दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं।

कब रिलीज होगी 'ऑपरेशन सफेद सागर'

यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

'कई आर्टिस्ट के लिए नए रास्ते खोले हैं'

अपने नए गाने को लेकर उत्साहित नोरा फतेही

नोरा फतेही ने अपने नए गाने 'स्ले टू द रिदम' को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया है कि यह गाना क्यूं बहुत खास है। उन्होंने इसे गर्मियों का गाना कहा है।

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

क्यों चर्चा में है गाना?

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।

गर्मियों का है गाना

नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'यह गर्मियों का एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।'

कई रास्ते खुले

उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।'

गाने के आखिर में दिया गया क्रेडिट

म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है।

नोरा नए आर्टिस्ट्स को देती हैं प्लेटफॉर्म

नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं।

यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

सफर में भटकी बिहार की महिला को मिला सहारा, सखी वन स्टॉप सेंटर दंतेवाड़ा ने परिवार से कराया सुरक्षित मिलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर संकट में फंसी महिलाओं के लिए भरोसेमंद सहारा बनकर सामने आ रहा है। दंतेवाड़ा जिले में इसका एक संवेदनशील उदाहरण देखने को मिला, जहां बिहार की एक महिला को सुरक्षित आश्रय देकर उसके परिवार से मिलाया गया।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की रहने वाली श्रीमती सविता देवी अपने मायके से ससुराल जाने के लिए मोतीपुर स्टेशन से ट्रेन में सवार हुई थीं। यात्रा के दौरान वह सो गईं और कई स्टेशनों को पार करते हुए छत्तीसगढ़ के किरंदुल (जिला दंतेवाड़ा) पहुंच गईं। वहां से वह पैदल निकल पड़ीं और भटकते-भटकते भांसी तक पहुंच गईं। स्थानीय लोगों ने उनकी स्थिति देखकर भांसी थाना को सूचना दी। पुलिस ने उन्हें सुरक्षित रूप से सखी वन स्टॉप सेंटर, दंतेवाड़ा में अस्थायी आश्रय दिलाया।

सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर और थाना काटी से संपर्क किया। महिला का नाम, पता और फोटो भेजकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि महिला मुजफ्फरपुर जिले की ही निवासी हैं। इसके बाद महिला के परिवार से संपर्क किया गया और उन्हें पूरी जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही उनके पति दंतेवाड़ा पहुंचे और सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद महिला को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया। महिला के पति ने बताया कि उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है और वह पिछले करीब डेढ़ महीने से लापता थीं। परिवार ने उन्हें कई स्थानों पर खोजा, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया था। दंतेवाड़ा में पत्नी को सुरक्षित देखकर उन्हें बड़ी राहत मिली। उन्होंने सखी वन स्टॉप सेंटर, दंतेवाड़ा और महिला एवं बाल विकास विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली मदद ने उनके परिवार को फिर से एक कर दिया। यह घटना दर्शाती है कि सखी वन स्टॉप सेंटर केवल आश्रय देने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट में फंसी महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श, समन्वय और परिवार से पुनर्मिलन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी उपलब्ध कराता है। यह योजना महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की दिशा में सरकार की संवेदनशील पहल का प्रभावी उदाहरण है।

खास-खबर

मंत्री केदार कश्यप की पहल पर दुर्लभ पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप की मंशानुरूप और उनके संवेदनशील पहल के अनुरूप छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला तहसील के ग्राम कुंजंटोला में वन विभाग की टीम ने दुर्लभ वन्यप्राणी पैंगोलिन का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। ग्राम कुंजंटोला निवासी जयंत कुमार के घर में पैंगोलिन के घुसने की सूचना वन विभाग को मिली। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरी सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी पंकज पटेल के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने पैंगोलिन को सुरक्षित पकड़कर आरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया। इस अभियान में डिप्टी रेंजर महेंद्र बघेल और शोभित राम यादव की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह रेस्क्यू अभियान वन विभाग की त्वरित कार्रवाई, प्रशिक्षित टीम और वन्यजीव संरक्षण के प्रति संवेदनशील कार्यप्रणाली का अच्छा उदाहरण है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से अशोक साहू के घर की छत बनी कमाई और बचत का जरिया

बिलासपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनती जा रही है। यह योजना न केवल लोगों को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है, बल्कि बिजली के बढ़ते खर्च से भी राहत दिला रही है। शहर के चांटीडीह निवासी अशोक कुमार साहू इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण हैं। योजना का लाभ लेने के बाद उनके घर का बिजली बिल बेहद कम हो गया है और अब वे प्रतिमाह लगभग 3500 रुपये की बचत कर रहे हैं। अशोक कुमार साहू ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी समाचार पत्रों, सोशल मीडिया तथा अन्य प्रचार-प्रसार माध्यमों से मिली। योजना की विशेषताओं और इससे होने वाले लाभों को जानने के बाद उन्होंने अपने घर पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने का निर्णय लिया।

युवाओं से नशामुक्त, संस्कारवान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित जीवन अपनाने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ब्रह्माकुमारीज़, अंबिकापुर द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सहभागिता करते हुए युवाओं से नशामुक्त, अनुशासित और संस्कारयुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का सबसे मजबूत आधार स्वस्थ, जागरूक, चरित्रवान और आत्मविश्वासी युवा है। जब युवा सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ेंगे, तभी विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान' केवल नशे के विरुद्ध जनजागरण का अभियान नहीं, बल्कि देश के भविष्य को सशक्त बनाने का राष्ट्रीय आंदोलन है। यह अभियान युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली, आत्मअनुशासन, सकारात्मक विचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का माध्यम बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता केवल आर्थिक विकास की नहीं, बल्कि ऐसे समाज के निर्माण की है, जहां युवा शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त हों। नशा व्यक्ति की प्रतिभा, परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति तीनों को प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक युवा का यह दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करे।

श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति विश्व की सबसे बड़ी ताकत है। यदि यह शक्ति सही दिशा में आगे बढ़ेगी तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल, अनुशासन, सेवा और संस्कार को अपने जीवन का आधार बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से युवाओं की सहभागिता से ही संभव है।

उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था लंबे समय से आध्यात्मिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों, सकारात्मक जीवनशैली तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। ऐसे अभियान समाज में नई चेतना का संचार करते हैं और युवाओं को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन, रोजगार, शिक्षा, खेल, संस्कृति तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में कर सकें।

कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों ने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' का संकल्प लेते हुए समाज में जनजागरण फैलाने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, प्रेरणा और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के सदस्य, पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में युवा, गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धमतरी जिले में जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को मिलेगी नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए धमतरी जिला प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक जल स्रोतों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले के 357 जल स्रोतों पर सैंड फिल्टर निर्माण कार्यों के लिए 185.64 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्षा जल के वैज्ञानिक प्रबंधन, जल स्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा भू-जल पुनर्भरण को सुदृढ़ करने की दिशा में इस कदम को बेहद प्रभावी माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत 357 सैंड फिल्टरों में से कुरूद विकासखंड में 124, नगरी में 107, धमतरी में 78 और मगरलोड विकासखंड में 48 सैंड फिल्टर निर्मित किए जाएंगे। इन सभी कार्यों का क्रियान्वयन संबंधित ग्राम पंचायतों के माध्यम से समय-सीमा के भीतर किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को इसका शीघ्र लाभ मिल सके।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि सैंड फिल्टर जल स्रोतों के संरक्षण की एक बेहद प्रभावी और वैज्ञानिक तकनीक है। तालाब, कुएं और जलाशयों के समीप इनके निर्माण से वर्षा जल के साथ बहकर आने वाली मिट्टी, गाद, प्लास्टिक और कचरा प्राकृतिक रूप से छन जाएगा। इससे जल स्रोतों में गाद का जमाव रुकेगा, पानी की स्वच्छता बनी रहेगी और भू-जल पुनर्भरण की प्रक्रिया मजबूत होगी।

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और अत्यधिक जल दोहन के कारण गिरते भू-जल स्तर के बीच यह प्रणाली वर्षा जल को प्राकृतिक रूप से भूमि में समाहित करने में मदद करेगी। इससे भविष्य में संभावित पेयजल संकट को टालने में बड़ी राहत मिलेगी। यह पहल पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध होगी। स्वच्छ जल स्रोत जहां पशु-पक्षियों के लिए उपयोगी होंगे, वहीं जल की उपलब्धता और गुणवत्ता सुधरने से कृषि, मत्स्य पालन तथा अन्य आजीविका आधारित गतिविधियों को भी अप्रत्यक्ष रूप से मजबूती मिलेगी।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बीरपुर में की कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में आयोजित पवित्र कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता की। श्रीमती राजवाड़े ने बीरपुर स्थित पासंग नाला से श्रद्धापूर्वक पवित्र जल ग्रहण कर कांवड़ यात्रा के साथ भगवान भोलेनाथ के मंदिर तक पदयात्रा की। मंदिर पहुंचकर उन्होंने सपरिवार भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक एवं विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना करते हुए देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़ पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन पर्व है, जो समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिली नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

जिला बीजापुर के विभिन्न विकासखंडों के कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का इस योजना के तहत चयन हुआ है। विकासखंड उसूर के ग्राम बसागुड़ा की छात्रा सान्वी संगम का चयन दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है। वहीं विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा परिधि कावटी, विकासखंड बीजापुर के ग्राम सागमेटा के छात्र देवांश जनगम तथा ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा निहारिका नीकुरी का चयन हम एकेडमी, जगदलपुर में हुआ है। विकासखंड भैरमगढ़ के ग्राम छोटे गोगला के छात्र आदित्य कोरसा का चयन भी दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों ने बताया कि वे श्रमिक परिवार से हैं और सीमित आय के कारण बच्चों को अच्छे निजी विद्यालयों में पढ़ाना उनके लिए संभव नहीं था। श्रम विभाग में पंजीयन कराने के बाद उन्हें अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की जानकारी मिली। उन्होंने आवेदन किया और बच्चों की प्रतिभा के आधार पर उनका चयन हो गया।

अब इन बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक सुविधाएँ, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

कलेक्टर विश्वदीप ने चयनित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से मुलाकात कर बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने माता-पिता, समाज और देश का नाम रोशन करने तथा उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

'मोर गांव मोर पानी' अभियान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा, नगपुरा में बने 2 हजार जल अवशोषण ट्रेंच

'मोर गांव मोर पानी' अभियान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत नगपुरा में जल संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय मॉडल विकसित किया गया है, जहां लगभग 2 हजार जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण कर वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण की प्रभावी व्यवस्था की गई है। यह पहल अब प्रदेश की अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के अंतर्गत विकसित आंवला एवं करौंदा बगीचे में वैज्ञानिक पद्धति से जल अवशोषण ट्रेंच तैयार किए गए हैं। पहले वर्षा ऋतु के दौरान अधिकांश पानी बहकर नालों के माध्यम से निकल जाता था, जिससे मिट्टी की नमी कम होती थी और पौधों की वृद्धि प्रभावित होती थी। ट्रेंच निर्माण के बाद अब वर्षा जल उसी स्थान पर रुककर धीरे-धीरे भूमि में समाहित हो रहा है, जिससे भू-जल स्तर में सुधार के साथ बगीचे की उत्पादकता भी बढ़ रही है।

एक बार की अच्छी वर्षा में 4 हजार घन मीटर जल संरक्षण की क्षमता

तकनीकी सहायक दीप्ति सिंह ने बताया कि प्रत्येक ट्रेंच की क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस आधार पर एक बार की अच्छी वर्षा में लगभग 4 हजार घन मीटर जल का संरक्षण संभव है। यदि वर्षा ऋतु के दौरान ट्रेंच कई बार भरते हैं, तो अनुमानित 1.20 लाख घन मीटर वर्षा जल का भू-जल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि, मृदा संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन तथा भविष्य में सिंचाई एवं पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

अन्य जिलों के लिए प्रेरणादायी मॉडल

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ग्राम पंचायत नगपुरा में विकसित यह मॉडल वर्षा जल के वैज्ञानिक प्रबंधन, भू-जल संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नवाचार राज्य की अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगे तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने और 'मोर गांव मोर पानी' अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जल संरक्षण के साथ रोजगार सृजन का भी प्रभावी माध्यम: भूतपूर्व मनरेगा योजना अंतर्गत किए गए इस कार्य से बड़ी संख्या में स्थानीय श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। इससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होने के साथ-साथ जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनभागीदारी भी मजबूत हुई है। यह मॉडल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया है।

पॉलीटेक्निक में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

नारायणपुर। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक नारायणपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु नियमित डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन पंजीयन कर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। संस्थान में इस वर्ष कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की 30 सीटें, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की 15 सीटें तथा इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की 30 सीटें उपलब्ध हैं। इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल 75 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया के तहत 31 जुलाई प्रातः 10.00 बजे से 08 अगस्त रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकेगा।

खास खबर

चेकिंग के दौरान दो चोरी की बाइक बरामद

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग और नियमित पेट्रोलिंग के दौरान दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। टाटीबंध और पंडरी क्षेत्र में हुई अलग-अलग कार्रवाई में चोरी के वाहनों की पहचान कर उन्हें संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। यातायात पुलिस की सतर्कता और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से यह कार्रवाई संभव हो सकी। पहली कार्रवाई टाटीबंध क्षेत्र में हुई, जहां आरक्षक प्रकाश देवांगन को जायका शोरूम के पास सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के बीच नाली में एक लावारिस बाइक संदिग्ध अवस्था में मिली। मोबाइल डिवाइस से जांच करने पर वाहन क्रमांक सीजी 07 डीसी 5527 दुर्ग जिले के रसमड़ा निवासी कृपाल निषाद का निकला। दूसरी कार्रवाई पंडरी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान हुई। आरक्षक अरुण शुक्ला ने बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल को रोककर उसके इंजन और चेसिस नंबर की जांच कराई। जांच में वाहन क्रमांक सीजी 12 ए सी 5553 बिलासपुर जिले के सोमेश कुमार का निकला।

डिजिटल-सबूत के आधार पर हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

बिलासपुर। बिलासपुर के कोटा क्षेत्र में कुल्हाड़ी से वार कर हत्या करने वाले युवक को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 4 अगस्त 2025 को बृहस्पति बाई के घर में छेदीलाल यादव की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई थी। सूचना पर कोटवार गंगा बाई गंधर्व की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर आरोपी यशराज भानु उर्फ छोटा (20) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल टंगिया भी बरामद कर लिया गया। जांच अधिकारी राज सिंह ने नए कानून के प्रावधानों के तहत मेमोरेंडम और जब्ती की पूरी प्रक्रिया की फोटो और वीडियोग्राफी कराई थी। यही ई-डिजिटल साक्ष्य अदालत में सबसे अहम साबित हुए।

स्कूल बस की टक्कर से मासूम की मौत, चालक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में 3 साल के मासूम की मौत हो गई। हादसा विधानसभा अंडरब्रिज सर्विस रोड के पास हुआ। भुवंस स्कूल की बस की चपेट में आने से बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बस को जब्त कर चालक धलेंद्र साहू को गिरफ्तार कर लिया। बस चालक और कंडक्टर से थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। विधानसभा क्षेत्र के अंडरब्रिज के पास राजा देवार का परिवार रहता है। भुवंस स्कूल की बस बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। हादसे के बाद गुस्साए परिजन और बस्ती के लोग बड़ी संख्या में विधानसभा थाना पहुंच गए। उन्होंने आरोपी बस चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए थाने का घेराव किया। पुलिस ने परिजनों को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं, बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मछली पकड़ने के दौरान लापता हुए दूसरे व्यक्ति का शव बरामद, एक छात्र की तलाश जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। धमतरी जिले के फरसिया निवासी 35 वर्षीय गुलाल पहरिया, पिता बैशाखु पहरिया, का शव सोमवार को नदी से बरामद किया गया। सिहावा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया गया कि गुलाल पहरिया अपने साथियों के साथ साहनीखार एनीकट में मछली पकड़ने गया था। इसी दौरान वह तेज बहाव में लापता हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद सिहावा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद एनडीआरएफ, पुलिस और

स्थानीय प्रशासन ने नदी में लगातार सर्च अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद शव बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि शव नदी में रेत के लगभग पांच फीट नीचे दबा हुआ था, जिसके कारण वह पानी की सतह पर नहीं आ पाया। पानी का स्तर कम होने के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गौरतलब है कि इसी साहनीखार एनीकट में इससे पहले घोटगांव निवासी धनराज तेता भी तेज बहाव में बह गए थे, जिनका शव कुछ दिन पहले एनडीआरएफ और पुलिस ने बरामद किया था। अब उसी स्थान से दूसरा शव मिला है। वहीं, सिरसिदा निवासी एक छात्र अभी भी लापता है, जिसकी तलाश एनडीआरएफ और पुलिस की टीम लगातार कर रही है।

कार का शीशा तोड़कर पार किया कैश से भरा बैग, पांच आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पुलगांव थाना क्षेत्र में 6 दिन पहले चोरी के एक मामले में पुलिस ने युवती सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने प्लानिंग कर कार का शीशा तोड़कर कैश से भरा बैग पार कर दिया था। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी उत्सव होंडा शोरूम का कर्मचारी निकला। इस मामले में पुलगांव पुलिस द्वारा धारा 301(1), 324(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

इस मामले में 28 जुलाई को प्रार्थी प्रमोद महेश्वरी निवासी मुक्त नगर दुर्ग द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि वे अपनी मारुति स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 07 सीआर 7983 में लगभग 4,90,000 रुपए नगद राशि एक काले रंग के बैग में रखकर निकले थे। पोटिया रोड स्थित उत्सव होंडा शोरूम के सामने वाहन खड़ा कर अन्य कार्य से चले गए। कुछ समय पश्चात वापस आने पर देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ है और बैग गायब है। किसी ने वाहन का शीशा पत्थर से तोड़कर नगदी से भरा बैग चोरी कर लिया था।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसीसीयू एवं थाना पुलगांव पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल जांच प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी के निवास से घटनास्थल एवं आसपास लगभग 05 किलोमीटर क्षेत्र में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों का गहन परीक्षण किया गया। साथ ही तकनीकी विश्लेषण, मैनुअल इंटेलिजेंस, स्थानीय मुखबिरों से प्राप्त सूचना एवं संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर मुख्य आरोपी भुवनेश्वर डहरिया, जो उत्सव होंडा शोरूम में कार्यरत है, को चिन्हित किया गया।

पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उसकी सहकर्मी सपना राजपूत के माध्यम से उसे प्रार्थी की गतिविधियों की जानकारी रहती थी। आरोपी ने पूर्व में प्रार्थी की गतिविधियों की रैकी कर यह जानकारी एकत्रित की थी कि प्रार्थी अक्सर बड़ी नगदी लेकर उक्त स्थान पर वाहन खड़ा करता है। इसी पूर्व नियोजित योजना के तहत अपने साथियों के साथ मिलकर कार का शीशा तोड़कर नगदी से भरा बैग चोरी कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई राशि में से 1 लाख 57 हजार रुपए बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त 02 पल्सर मोटरसाइकिल एवं 01 एक्टिवा स्कूटी जब्त की गई। सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त कार्रवाई में एसीसीयू दुर्ग एवं थाना पुलगांव पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सतत तकनीकी विश्लेषण, सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म परीक्षण, मुखबिर तंत्र के प्रभावी उपयोग एवं त्वरित समन्वित कार्रवाई के माध्यम से प्रकरण का सफल खुलासा किया गया। विवेचना एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना पुलगांव एवं एसीसीयू के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि बड़ी नगदी लेकर चलते समय विशेष सतर्कता बरतें तथा वाहन में नगदी अथवा अन्य मूल्यवान वस्तुएं छोड़कर न जाएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। संपत्ति संबंधी अपराध करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

1.) भुवनेश्वर डहरिया, उम्र 23 वर्ष, निवासी निवासी कुंद्रापारा, थाना पद्मनाभपुर, जिला दुर्ग।
2.) संजय साहू, उम्र 22 वर्ष, निवासी पद्मनाभपुर, जिला दुर्ग।
3.) जितेंद्र कुमार साहू, उम्र 28 वर्ष, निवासी रूआबांधा, भिलाई नगर, जिला दुर्ग।
4.) सपना राजपूत, उम्र 20 वर्ष, निवासी कोलियाहापुरी, थाना पुलगांव, जिला दुर्ग।
5.) संतोष जोशी ,उम्र 48 ,वार्ड नंबर 54 कुंदरपारा थाना पद्मनाभपुर।

शराब दुकान का लॉकर तोड़कर आग लगाने की कोशिश, 2 गार्ड को बंधक बनाकर मारा चाकू

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। बिलासपुर में सोमवार तड़के 5 नकाबपोश बदमाशों ने सरकारी शराब दुकान में धावा बोल दिया। बदमाशों ने दो सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर उनके हाथ-पैर बांध दिए और बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान एक गार्ड पर चाकू से भी हमला किया गया।

इसके बाद आरोपी दुकान में घुसे और लॉकर तोड़ने, आग लगाने की कोशिश की। इसमें सफल नहीं होने पर वे करीब 27 हजार रुपए कैश, दो पेटी शराब, गार्ड का मोबाइल और सीसीटीवी का डीवीआर लेकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद दोनों गार्ड किसी तरह रस्सियों से मुक्त हुए। सुबह वहां से गुजर रहे लोगों ने उनकी हालत देखी और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल गार्ड को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मस्तूरी पुलिस, आबकारी विभाग के अधिकारी, एसीसीयू टीम और साइबर एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

कटर से लॉकर काटने की कोशिश

दुकान के अंदर बदमाशों ने कटर से लॉकर काटने की कोशिश की। काफी देर तक प्रयास करने के बाद भी लॉकर नहीं खुला तो उसमें आग लगाने का भी प्रयास किया।

इसके बाद आरोपी करीब 27 हजार रुपए नकद, देशी-विदेशी शराब की दो पेटियां, गार्ड का मोबाइल फोन और सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर लेकर फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद दोनों गार्ड किसी तरह रस्सियों से मुक्त हुए। सुबह वहां से गुजर रहे लोगों ने उनकी हालत देखी और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल गार्ड को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मस्तूरी पुलिस, आबकारी विभाग के अधिकारी, एसीसीयू टीम और साइबर एक्सपर्ट मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

गुस्से की आग में दोस्ती स्वाहा!

पत्नी पर टिप्पणी से भड़के युवक ने दोस्त को पेट्रोल डालकर जलाया, गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। रजगामार पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बुंदेली निवासी आनंद मंझवार अपने दोस्त संजय कुमार कंवर के साथ गांव में रहने वाले एक अन्य मित्र संतराम के घर गया था। दोनों वहां से लौट रहे थे, तभी रास्ते में गांव का लीला सिंह अगरिया अपने घर के बाहर मिला। तीनों आपस में बातचीत करने लगे। बातचीत के दौरान लीला सिंह ने आनंद के घरेलू मामले को लेकर टिप्पणी की। जवाब में आनंद ने भी लीला पर टिप्पणी कर दी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

गुस्से में लीला सिंह घर के अंदर गया और पेट्रोल से भरी बोतल लेकर बाहर आया। इससे पहले कि आनंद कुछ समझ पाता, लीला ने उसके ऊपर पेट्रोल उड़ेलकर माचिस से आग लगा दी। देखते ही देखते आनंद आग की लपटों में घिर गया।

जान बचाने के लिए आनंद करीब 100 मीटर दूर स्थित डबरीनुमा तालाब की ओर भागा और उसमें छलांग लगा दी। इससे उसकी जान बच गई। तालाब से बाहर निकलने के बाद संजय और अन्य परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के दौरान आरोपी लीला सिंह अगरिया का एक हाथ भी झुलस गया। पेट्रोल डालकर आग लगाते समय वह खुद भी इसकी चपेट में आ गया था।

अगले दिन संजय कुमार कंवर ने रजगामार पुलिस चौकी में घटना की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी विनोद सिंह अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे और आरोपी को हिरासत में ले लिया। प्राथमिक उपचार के बाद आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामूली विवाद में इस तरह की हिंसक घटना गंभीर अपराध है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

दुर्ग में पहली बार ड्रंक एंड ड्राइव केस में सजा

यात्रियों से भरी बस चला रहा था ड्राइवर, कोर्ट ने भेजा जेल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शराब के नशे में यात्रियों से भरी बस चलाने वाले ड्राइवर को कोर्ट ने तीन दिनों के लिए जेल भेज दिया है। दुर्ग जिले के लिए यह पहला मौका है जब कोर्ट ने ड्रंक एंड ड्राइव केस में सजा सुनाई है। सजा के साथ कोर्ट ने चालक पर 15 हजार रुपए का जुर्माना भी ठोका है। सड़क हादसे रोकने व यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस विशेष वाहन जांच अभियान उक्त बस चालक को रोका गया और जांच में शराब के नशे में बस चलाने की पुष्टि हुई थी।

सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विशेष वाहन चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में विशेष चेकिंग के दौरान गुरुनानक ट्रेवल्स

की राजनांदगांव-दुर्ग-भिलाई मार्ग पर संचालित यात्री बस को रोककर चालक की जांच की गई। जांच के दौरान चालक जितेन्द्र देवांगन शराब के नशे में बस चलाते हुए पाया गया। बस में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे तथा चालक का यह कृत्य यात्रियों के साथ-साथ अन्य वाहन चालकों एवं राहगीरों के जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा था। चालक का ब्रीथ एनालाइजर से परीक्षण किए जाने पर शराब का सेवन करना प्रमाणित हुआ।

आरोपी चालक के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185 एवं 184 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई करते हुए प्रकरण माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, दुर्ग द्वारा प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आरोपी को दोषसिद्ध करते हुए 15,000 के अर्थदंड से दंडित किया गया। यह कार्रवाई इस बात का स्पष्ट संदेश है कि सार्वजनिक परिवहन वाहन का चालक यदि शराब के नशे में वाहन चलाकर नागरिकों के जीवन को जोखिम में डालता है, तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जाएगा।

उक्त कार्रवाई में यातायात पुलिस दुर्ग में पदस्थ उप निरीक्षक भीखम द्वारा विशेष सतर्कता एवं सक्रियता का परिचय देते हुए गुरुनानक ट्रेवल्स की यात्री बस के चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। उनके द्वारा त्वरित एवं विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित कर प्रकरण को सफलतापूर्वक माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को दोषसिद्ध कर दंडित किया गया।

प्रिंटिंग दुकान में लगी भीषण आग लाखों का सामान जलकर खाक

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर बीती रात एक दुकान में भीषण आग लग गई। आस-पास के लोगों ने धुआं निकलते देख मामले की जानकारी दुकानदार को दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है कि इस भीषण आग में दुकान में लगी लाखों की मशीन और सामान जलकर राख हो गये। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। घटना शहर के अनुपमा चौक स्थित सूरज प्रिंटिंग दुकान की है, जहां देर रात अचानक से आग लग गई।

अनुपमा चौक के पास बने सूरज डिजिटल में सोमवार की रात को आग लग गई। इस घटना की जानकारी लगते ही लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं फायर ब्रिगेड की टीम को भी बुला लिया गया। राहत बचाव के लिए दमकल विभाग की तीन गाड़ियां घटनास्थल पहुंची। बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा लग गया। दुकान में लगे आग और लोगों की भीड़ की वजह से राहत और बचाव कार्य में कई बार बांधा भी आ रही थी। एसडीआरएफ और दमकल विभाग की टीम स्थिति को काबू करने में लगी रही।

आग को बुझाने के लिए दुकान के सामने लगे शटर को तोड़कर आग बुझाने का कार्य जारी किया गया। तीन से अधिक दमकल वाहनों के पानी से लगातार आग को बुझाने का काम शुरू किया गया। देर रात मौके पर पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद थे। आग इतनी तेजी से फैली की आग की लपटें दूसरी मंजिल तक पहुंच गई, लेकिन कर्मचारियों ने बारिश के बीच भी अपने काम को नहीं छोड़ा और करीब दो से तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन दुकान में लगे मशीन से लेकर सामान सभी जल गए।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का कुल सचिव गिरफ्तार, महिला कर्मचारी के वेतन से उड़ाए थे डेढ लाख रुपए

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव द्वारा दैनिक वेतनभोगी महिला कर्मचारी के वेतन लगभग डेढ़ लाख रुपए गबन करने का मामला सामने आया है। इस मामले में महिला कर्मचारी ने कुलपति के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई। जांच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर मामला गबन का निकला। इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तात्कालीन कुल सचिव भूपेन्द्र कुमार कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में धारा धारा 316(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

दरअसल इस मामले में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की अधकुशल दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शुभांगी मराठे द्वारा

विश्वविद्यालय के कुलपति के पास शिकायत दर्ज कराई गई थी। विश्वविद्यालय प्रशासन से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर सोमवार 3 अगस्त 2026 को थाना मोहन नगर में धारा 316(4) भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अंतर्गत गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भूपेन्द्र कुमार कुलदीप से पूछताछ की गई। उपलब्ध साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर अपराध की पुष्टि होने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पीड़िता शुभांगी मराठे विश्वविद्यालय में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी के रूप में कार्यरत है और तत्कालीन कुलसचिव भूपेन्द्र कुमार कुलदीप के निवास पर भोजन बनाने का कार्य भी करती थी। पीड़िता का प्रतिमाह शासकीय नियमानुसार वेतन 11,515 मिलता था। लेकिन तात्कालीन कुल सचिव भूपेन्द्र कुमार कुलदीप द्वारा उसे मात्र 2,200 रुपए देकर शेष राशि दबावपूर्वक फोनपे एवं पेटीएम के माध्यम से उदय कुलदीप के खाते में ट्रांसफर करवाता था। इस प्रकार दिनांक 6 फरवरी 2025 से 4 जुलाई 2026 के मध्य डेढ़ साल तक 1,49,384 रुपए का गबन किया गया।

पद का दुरुपयोग कर लिए रुपए

विश्वविद्यालय द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट, बैंक खाते एवं यूपीआई ट्रांजेक्शन के परीक्षण तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पद का दुरुपयोग कर अमानत में खयानत किए जाने की पुष्टि हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने प्रशासनिक पद एवं प्रभाव का अनुचित लाभ उठाते हुए मातहत दैनिक वेतनभोगी महिला कर्मचारी पर दबाव बनाया तथा उसके बैंक खाते में जमा होने वाली वेतन राशि का अधिकांश भाग डिजिटल भुगतान माध्यम से अपने परिचित के खाते में अंतरित कराकर अनुचित आर्थिक लाभ प्राप्त किया।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कोई व्यक्ति अपने पद अथवा प्रभाव का दुरुपयोग कर आर्थिक शोषण, अवैध वसूली अथवा वित्तीय अनियमितता करता है तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा पुलिस अधिकारियों को दें।

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

प्रोजेक्ट 'सहारा' के तहत 3.58 करोड़ रुपये के सहायक उपकरणों का वितरण, 1739 दिव्यांगजन हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी प्रतिभा, क्षमता तथा आत्मविश्वास को सही अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रोजेक्ट 'सहारा' के अंतर्गत दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने केवल कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार ही नहीं किया, बल्कि उन्हें 'दिव्यांग' कहकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव भी दिया। यह परिवर्तन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि समाज की सोच और दृष्टिकोण का परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार भी दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदेशवासियों को सावन माह के प्रथम सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देती है तथा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना हम सभी का दायित्व है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायपुर जिले में विशेष अभियान चलाकर दिव्यांगजनों की व्यापक स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 1600 से अधिक दिव्यांगजनों की पहचान की गई। इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए भारत सरकार से 3 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

प्रोजेक्ट 'सहारा' के तहत 3.58 करोड़ रुपये के सहायक उपकरणों का वितरण

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर इंडोर स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये की राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक और जनहितकारी आयोजनों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कृत्रिम हाथ-पैर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक तथा अन्य आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि ये उपकरण केवल सहायता सामग्री नहीं हैं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई शुरुआत हैं। इनकी सहायता से दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार, आवागमन और दैनिक जीवन के कार्यों में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा समाज की मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जुड़ पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का किया अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं एवं नवाचारों से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पहले ही 500 से 600 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए जा चुके हैं, जबकि आज 1000 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। इस प्रकार कुल 1739 दिव्यांगजन प्रोजेक्ट 'सहारा' के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल उपकरण वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांगजनों को अधिक सम्मानजनक, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण कल्याण के लिए सहायक उपकरण वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शिक्षा एवं रोजगार में आरक्षण, कौशल विकास, पुनर्वास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने सभी हितग्राहियों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्पों को धरातल पर उतारा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, रामलला दर्शन योजना तथा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी अनेक योजनाओं ने समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को 29 किश्तों के माध्यम से अब तक 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य नागरिकों तक शासन की सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से 'सेवा सेतु' एप के माध्यम से 36 विभागों की 500 से अधिक सेवाएं घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से सप्ताह के सातों दिन चौबीसों घंटे शिकायत दर्ज कराने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने की सुविधा भी नागरिकों को उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री साय ने रायपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट धड़कन, प्रोजेक्ट सुरक्षा, प्रोजेक्ट रेडक्रॉस, प्रोजेक्ट दधीचि, प्रोजेक्ट जिंदगी मुस्कुराएगी, प्रोजेक्ट नि:क्षय मित्र, प्रोजेक्ट वंदन और प्रोजेक्ट गोल्डन आवर जैसे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की ये पहलें संवेदनशील और जनकेंद्रित सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि इन्हीं नवाचारों की श्रृंखला में प्रोजेक्ट 'सहारा' दिव्यांगजनों के जीवन में नई आशा, नई सुविधा और नया आत्मविश्वास लेकर आया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट सरल एवं प्रोजेक्ट गोल्डन आवर का शुभारंभ भी किया तथा नवाचार से प्रगति पथ पर अग्रसर रायपुर कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रोजेक्ट 'सहारा' के तहत वितरित किए जा रहे सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में दिव्यांगजनों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का वातावरण तैयार किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार भी उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन केवल शारीरिक चुनौतियों का सामना करते हैं, उनकी प्रतिभा, क्षमता और हौसले किसी भी प्रकार से कम नहीं होते। तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि प्रोजेक्ट 'सहारा' केवल सहायक उपकरण वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वावलंबन और सामाजिक समावेशन का अभियान है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के इस दौर में राज्य सरकार आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के माध्यम से दिव्यांगजनों को समय-समय पर कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है, जिससे वे दक्ष होकर आत्मनिर्भर बनें और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि आज वितरित किए जा रहे सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के लिए स्वतंत्र जीवन और नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने धरसींवा विधानसभा को दी नि:शुल्क एम्बुलेंस की सौगात

डीएमएफसे 19.65 लाख रुपये की लागत से उपलब्ध कराई गई आधुनिक एम्बुलेंस, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की जनता को नि:शुल्क एम्बुलेंस की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा विधायक अनुज शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में एम्बुलेंस के चालक को चाबी सौंपी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी मरीज के लिए उपचार के शुरुआती क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। समय पर अस्पताल पहुंचने से अनेक गंभीर परिस्थितियों में जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार मरीजों, बुजुर्गों तथा सड़क दुर्घटनाओं या अन्य आकस्मिक घटनाओं में घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा न केवल चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाएगी, बल्कि क्षेत्रवासियों में स्वास्थ्य सुरक्षा का विश्वास भी मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। अस्पतालों के उन्नयन, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, दवाइयों की सुगम उपलब्धता और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। उनका कहना था कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध समाज और विकसित राज्य की आधारशिला होते हैं, इसलिए जनस्वास्थ्य से जुड़े प्रत्येक प्रयास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस अवसर पर धरसींवा विधानसभा के विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से एक आधुनिक एम्बुलेंस की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के माध्यम से लगभग 19 लाख 65 हजार रुपये की लागत से यह अत्याधुनिक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से धरसींवा क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज़ और प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी।

उन्होंने बताया कि यह एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धरसींवा को सौंपी गई है, जहां से इसका संचालन किया जाएगा। यह सेवा चौबीसों घंटे क्षेत्रवासियों को उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को रेफरल अस्पतालों तक सुरक्षित एवं समयबद्ध पहुंचाने में भी यह एम्बुलेंस अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उल्लेखनीय है कि धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। डीएमएफ के माध्यम से उपलब्ध कराई गई यह नि:शुल्क एम्बुलेंस क्षेत्र के हजारों नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव से शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने की आत्मीय मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के ग्लासगो में आयोजित महिला 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव से आज स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने अपने निवास में आत्मीय मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव की ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए और यादव समाज गर्व का विषय है। साथ मे आये परिवारजन को भी मंत्री यादव ने बधाई दी। उन्होंने कहा सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल कर प्रदेश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव प्रोत्साहन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री द्वारा ज्ञानेश्वरी यादव को 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति की घोषणा राज्य सरकार की खेल प्रतिभाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गजेंद्र यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी यादव भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाती रहेंगी तथा प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगी।

सेवा सेतु केंद्र बने आमजन और शासन के बीच भरोसे का सेतु

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित सेवा सेतु योजना के माध्यम से शासकीय सेवाएं अब पहले से अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो रही हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत दिलाते हुए आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य शासकीय सेवाएं उनके निकट उपलब्ध कराना है।

सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय सहित विभिन्न शासकीय प्रमाण पत्रों एवं नागरिक सेवाओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे लोगों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सेवा सेतु केंद्र सुशासन की मजबूत कड़ी बनकर नागरिकों को पारदर्शी, सरल एवं जवाबदेह प्रशासन का

अनुभव करा रहे हैं। इसी क्रम में कोरबा जिले के भैंसमा अंतर्गत ग्राम धौराभाठा निवासी धुनेश्वर कंवर, पिता लल्ला राम ने सेवा सेतु केंद्र भैंसमा में जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया।

आवेदन प्राप्त होने के बाद केंद्र के कर्मचारियों द्वारा आवश्यक प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए निर्धारित समय में उन्हें तीनों प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिए गए। श्री कंवर ने बताया कि पहले शासकीय दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की हानि होती थी। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने से उन्हें बिना किसी परेशानी के समय पर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि आम नागरिकों के प्रति सरकार की संवेदनशील और जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण है।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु योजना ने शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों के द्वार तक पहुंचाने का कार्य किया है।

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी का मुख्यमंत्री निवास में स्वागत

मुख्यमंत्री साय ने की 30 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि और आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का आज मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि महिलाओं की 53

किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने सपनों को कभी कमजोर नहीं पड़ने दिया। कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार को अपनी इस बेटी पर गर्व है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लासगो रवाना होने से पहले उन्हें ज्ञानेश्वरी से मिलने का अवसर मिला था। उस समय उन्होंने उनके उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी थीं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद उन्होंने वीडियो कॉल के माध्यम से भी उन्हें बधाई दी थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में उनका स्वागत करते हुए कहा कि यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व और उत्सव का क्षण है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, बेहतर कोचिंग, आवश्यक संसाधन और हरसंभव प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां प्रदेश का प्रत्येक प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ सके और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक खिलाड़ी ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगा लहराएं तथा देश और प्रदेश का नाम विश्वभर में रोशन करें। ज्ञानेश्वरी यादव जैसी खिलाड़ियों की उपलब्धियां इस दिशा में नई पीढ़ी का आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत और छत्तीसगढ़ का नाम विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर देना और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना सरकार की खेल नीति का महत्वपूर्ण आधार है। यही प्रयास आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950